स्काउट गाइड
ज्योति

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की आमुख पत्रिका
वर्ष–23, अंक–03, सितम्बर, 2022 (कुल पृष्ठ–32) मूल्य : रु. 15/–

15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय परेड में जिला जयपुर के रोवर रेंजर की परेड टुकड़ी मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत को सलामी देते हुए

स्थानीय संघ चौमूं (जयपुर) के भूमि का नगर पालिका द्वारा जारी पट्टा प्रदर्शित करते हुए राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य एवं आभार व्यक्त करने के लिए उपस्थित स्थानीय संघ चौमूं (जयपुर) के पदाधिकारी

चौमूं नगर पालिका द्वारा पट्टा जारी करने के संबंध में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य

मण्डल मुख्यालय,जयपुर में पौधा रोपित कर वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए स्टेट कमिश्नर (वयस्क संसाधन) श्री महेन्द्र कुमार पारख,आईएएस

जम्बूरी स्थल रोहट-पाली पर कार्य की प्रगति का अवलोकन करते हुए शिक्षा निदेशक श्री गौरव अग्रवाल, स्काउट गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय के सं.निदेशक श्री अमर क्षत्रिय एवं जम्बूरी प्रकोष्ठ के सदस्य

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 23 अंक : 03
सितम्बर, 2022

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

गौरव अग्रवाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर्स-स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
डॉ. एस.आर. जैन
एस.के.सोलंकी, आई.ए.एस.(से.नि.)
डॉ. अखिल शुक्ला

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति-समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित कुमार मोरोडिया
राज.लेखा सेवा

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
दिशाबोध	4
संपादकीय	4
विशेष : जम्बूरी तैयारियों का जायजा	5
विशेष : जम्बूरी समीक्षा बैठक	5
विशेष : स्काउट भवन चौमूं	6
विशेष : स्वाधीनता दिवस आयोजन–स्काउट मुख्यालय, जयपुर	7
स्काउट आवासीय विद्यालय	7
When the separation was undivided	8
स्वतंत्रता दिवस पर सम्मान पुरस्कार	10
स्काउट कार्यालय के लिए संघर्ष और सफलता की कहानी	12
HAPPY TEACHERS' DAY	14
दक्षता पदक : अन्वेषक/खोजी, नागरिक सुरक्षा	15
हमारे महापुरूष : डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन	16
आदेश–परिपत्र, National Headquarters	18
जम्बूरी विभागवार कोर कमेटियां	22
हमारा स्वास्थ्य : क्यों जरूरी है हंसना?	28
गतिविधि पञ्चांग	30

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/– संस्थागत शुल्क:150/–	1200/–
शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।	

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

अतिथि देवो भवः

भारत में सन् 1909 से 2021 तक प्रदेश के स्काउट गाइड ने स्थानीय स्तर पर हर गाँव, कस्बे व नगर में जंगल के खुले व शांत वातावरण में सैंकड़ों शिविरों में भागीदारी की है और राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी भाग ले अपने आचार–विचार को एक दिशा प्रदान की है। आप सभी को विदित ही है कि राजस्थान को 66 वर्ष बाद पुनः राष्ट्रीय जम्बूरी की मेज़बानी मिली है। 18 वीं राष्ट्रीय जम्बूरी का आयोजन राजस्थान में करना हमारे लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि व चुनौती दोनों है। राष्ट्रीय जम्बूरी का आयोजन करना मात्र हमारा ध्येय नहीं है, वरन् इसके माध्यम से पूरे राष्ट्र को राजस्थान की सभ्यता व संस्कृति का दिग्दर्शन कराते हुए 'अतिथि देवो भवः' की परम्परा का निर्वहन करते हुए इस जम्बूरी का सफल और भव्य आयोजन कर हमें राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उत्कृष्टता की अमिट छाप छोड़नी है। 18 वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। मेरा सभी से आग्रह है कि जल्द से जल्द निर्धारित कोटे के अनुरूप अपने पंजीकरण की प्रक्रिया को पूर्ण करें और पूरे उत्साह व उल्लास के साथ जम्बूरी में सहभागिता के लिए अपनी तैयारियों में जुट जाए।

शिक्षा शास्त्री हाटर्स हार्न का कथन है 'जीविकोपार्जन की शिक्षा सब से अधिक प्रभावशाली शिक्षा है। इसके अभाव में वे बालक/बालिकाएं आजीवन कष्ट उठाते हैं, जो केवल विद्यालय में जाते हैं।' महात्मा गाँधी तो सम्पूर्ण शिक्षा को उद्योग केन्द्रित शिक्षा बनाना चाहते थे।

इसी संदर्भ में मेरा मानना है कि स्काउट गाइड आन्दोलन की नींव को सुदृढ़ करने व इसे आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से सितम्बर का महिना अन्य महीनों की अपेक्षा विशेष महत्वपूर्ण है। इस महीने में हमारे कब–बुलबुल, स्काउट–गाइड, रोवर–रेंजर तथा स्काउटर्स–गाइडर्स उद्योग पर्व का आयोजन करके धनोपार्जन का प्रयत्न करते हैं। उद्योग पर्व का ध्येय बालक/बालिकाओं को जिविकोपार्जन की शिक्षा की ओर अग्रसर करना है। इसके माध्यम से बच्चे अपने पैरों पर खड़े रहने की भावना के सुसंस्कार को विकसित करते हुए आन्दोलन को आर्थिक दृष्टि से सबल बनाते हैं। अतः उद्योग पर्व को सार्थक बनायें।

सभी को शिक्षक एवं साक्षरता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं.....

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

मुझे यह बताते हुए खुशी है कि जम्बूरी के सफल आयोजन हेतु विभिन्न कोर कमेटियों द्वारा अपने–अपने दायित्वों की पूर्ति के लिए तैयार की गई कार्य–योजनाओं का क्रियान्वयन प्रारम्भ हो चुका है। प्रदेश के सभी विभाग इस जम्बूरी के सफल आयोजन के लिए कार्य प्रारम्भ कर चुके हैं। गत माह जम्बूरी स्थल 'रोहट, पाली–मारवाड़' पर सड़क निर्माण संबंधी व साफ–सफाई का कार्य भी प्रारम्भ हो चुका है। कुछ ही दिनों में जम्बूरी स्थल हमारे द्वारा तैयार किये गये ले–आउट की सूरत में दृष्टिगत होने लगेगा।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम ने एक बार जोधपुर में स्कूली बच्चों के बीच बैठकर सफलता के तीन सूत्र बताए – रचनात्मकता, उल्लास और साहस। ये तीनों ही सूत्र स्काउटिंग के मनोविज्ञान में सम्मिलित हैं। स्काउट नित् नये कार्य करता है, नई–नई विधाएं सीखता है। स्काउट गाइड सामुदायिक व शिविर जीवन में जो कुछ देखता व करता है, वह रचनात्मकता है। खुले आसमान के नीचे कलात्मक प्रवेश द्वार बनाना, गीत–संगीत, क्राफ्ट की गतिविधियां सब प्रतिभागियों को रचनात्मक बनाते हैं। कैसा भी मौसम हो बालचरों की ऊर्जा एवं जोश में कोई कमी नही आती, कैसी भी गतिविधि हो इनकी जिंदादिली देखते ही बनती है। यही रचनात्मकता, उल्लास और साहस हमें राष्ट्रीय जम्बूरी के सफल आयोजन के लिए दिखानी है और प्रदेश संगठन का उत्कृष्ट जम्बूरी के आयोजन का सपना पूरा करना है।

जहाँ इस जम्बूरी के हम आयोजक भी हैं और हमारा प्रदेश दल इसका संभागी भी होगा। ऐसे में हमें दोहरी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना है और दोनों में सफलता प्राप्त करनी है।

मेरी ओर से सभी को शुभकामनाएं....

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

विशेष

जम्बूरी तैयारियों का जायजा

जोधपुर–पाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित रोहट (पाली–मारवाड़) में 4 से 10 जनवरी 2023 तक आयोजित होने वाली राष्ट्रीय जंबूरी में 35 हजार संभागियों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं मुहैया कराये जाने की दृष्टि से राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, जगतपुरा, जयपुर पर बतौर नमूना अस्थाई स्नानघर व शौचालय का निर्माण कर दर्शाया गया है।

प्रदेश संगठन के राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने इन तैयार कराये गये अस्थाई निर्माण का अवलोकन कर इनकी गुणवत्ता व व्यय के बारे में जानकार प्राप्त की। इस अवसर पर राज्य आयुक्त (वयस्क संसाधन) श्री महेन्द्र कुमार पारख सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे तथा श्री आर्य को जम्बूरी स्थल पर होने वाले सुविधा क्षेत्र के निर्माण के बारे में विस्तार से अवगत कराया व मार्गदर्शन प्राप्त किया।

जम्बूरी समीक्षा बैठक

राजस्थान के रोहट–पाली मारवाड़ में दिनांक 04 से 10 जनवरी, 2023 तक आयोज्य 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी की तैयारियों पर भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के अधिकारियों के साथ 02 व 03 अगस्त, 2022 को राज्य मुख्यालय, जयपुर के सभागार में चर्चा करते हुए माननीय स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य।

इस अवसर पर प्रदेश संगठन के स्टेट कमिश्नर (रोवर) श्री निर्मल पंवार, स्टेट कमिश्नर (वयस्क संसाधन) श्री महेन्द्र कुमार पारख, राष्ट्रीय मुख्यालय के निदेशक श्री राजकुमार कौशिक, संयुक्त निदेशक श्री अमर क्षैत्री तथा जम्बूरी प्रकोष्ठ के अधिकारियों ने विस्तार से अब तक की तैयारियों से अवगत कराया।

विशेष

स्काउट भवन चौमूं

भूमि हेतु पट्टा मिलने से चौमूं में स्काउट गतिविधि को मिलेगा बढ़ावा

निरंजन आर्य

राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड के बजाज नगर स्थित राज्य मुख्यालय पर सोमवार 08 अगस्त, 2022 को प्रातः 11.30 बजे संगठन के स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य को चौमूं नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी श्री देवेन्द्र कुमार जिंदल ने चौमूं स्थित स्काउट स्थानीय संघ हेतु जारी भूमि का पट्टा सुपुर्द किया। इस अवसर पर चौमूं राजघराने की रूक्षमणी कुमारी, स्काउट राज्य सचिव डॉ. पी. सी. जैन, चौमू स्काउट संघ के सचिव प्रताप सोनी व अन्य पदाधिकारी एवं मुख्यालय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्टेट चीफ कमिश्नर श्री आर्य ने बताया कि जिस भूमि व भवन का पट्टा मिला है उसमें 1959 से स्काउट गतिविधियां संचालित थी, परन्तु 2019 में कुछ भू–माफियाओं ने उस पर कब्जा करने व उनके नाम पट्टा हस्तांतरित कराने के उद्देश्य से इस भवन को तुड़वा दिया था। तब से ही चौमूं स्काउट संघ के सहायक सचिव प्रताप सोनी व उनकी टीम इस भूमि पर पट्टा जारी कराने के लिए प्रयासरत रहे और पट्टे की फाइल नगर पालिका में लगा रखी थी। सभी के सम्मिलित प्रयासों से इस भूमि का पट्टा नगर पालिका चौमूं ने स्काउट संघ के नाम जारी किया और आज हमें यह सुपुर्द किया गया है। इस कार्य में समाज सेविका व चौमूं राजघराने की रूक्षमणी कुमारी का विशेष सहयोग मिला। श्री आर्य ने कहा कि स्काउट का स्वयं का भवन होने से अब चौमूं में स्काउट गाइड गतिविधियों को और अधिक बढ़ावा मिलेगा।

स्काउट संघ को रावला चौक में मिला पट्टा

समाज सेविका व चौमूं राजघराने की रूक्षमणी कुमारी ने कहा कि जिस भूमि का पट्टा जारी किया गया है वह उनके परिवार द्वारा ही कई दशक पूर्व इस संगठन को दी गई थी। आज नगर पालिका द्वारा पट्टा जारी होने से उन्हें अत्यधिक प्रसन्नता है कि श्री निरंजन आर्य के मार्गदर्शन में उनके क्षेत्र में स्काउटिंग और अधिक कार्य करेगी।

प्रारम्भ में चौमूं स्काउट स्थानीय संघ के पदाधिकारियों ने श्री आर्य को स्कार्फ व माला पहना कर पट्टा जारी कराने हेतु आभार व्यक्त किया।

विशेष

स्वाधीनता दिवस आयोजन

स्काउट मुख्यालय, जयपुर

स्काउट गाइड मुख्यालय में किया झंडारोहण....लहराया तिरंगा

भारत की आजादी के 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर जवाहरलाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर मोड स्थित राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड के पूर्व राज्य प्रधान एवं पूर्व महाधिवक्ता गिरधारी सिंह बापना द्वारा प्रातः 8:30 बजे झंडारोहण किया गया है। इस अवसर पर राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन एवं मुख्यालय के सभी अधिकारी व कार्मिक उपस्थित रहे तथा उपस्थित मालवीय नगर विद्यालय की गाइडस ने देश भक्ति गीत प्रस्तुत किए।

स्काउट आवासीय विद्यालय

राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय, जगतपुरा जयपुर में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड के पूर्व राज्य प्रधान श्री जी.एस. बापना ने ध्वजारोहण कर विद्यार्थियों को देश-प्रेम की भावना रखते हुए देश के विकास में सहायक बनने हेतु प्रेरणास्प्रद उद्बोधन दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने परेड निकाल कर सलामी दी तथा स्वतंत्रता दिवस पर अपने विचार व्यक्त किये। राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन ने भी बच्चों को संबोधित किया।

राष्ट्रदूत समाचारपत्र से साभार

When the separation was undivided

Prakash Bhandari

The writer is a senior journalist

The Indian and Pakistani flag being hosted in Paris.

As Jawaharlal Nehru was delivering his historic speech, widely regarded as one of the great speeches of the 20th century, some 165 boy scouts and their teachers from undivided India celebrated Independence on 15th August in Paris. The boys had gone to Paris for the World Scout and Guide Jamboree.There were boys from Jaipur one was Jasdey Singh, who later became a celebrated sports broadcaster along with Hariharnath Kaul, Manohar Lal Nigam and Prithpal Singh, were sent by the Maharaja Sawal Man Singh of Jaipur as part of the Indian contingent.

There were eight boys from the Mayo College Ajmer and one of them was Ranvir Sinh, the famous progressive writer, playright and dramatist, who also served the Mauritius government as their cultural advisor. Ranvir Sinh, a scion of the Dandlod Thakurs was studying in Mayo College and had excelled in sports and dramatics.It's the platinum Jubilee year of our Independence. This was the time in August 1947, when the

There was another problem, when we had gone we were part of British India and were flying the Union Jack. But now both India and Pakistan were free countries, we had to fly our own national flags. VK Krishna Menon, who later became India's High Commissioner in London, had sent us the India tricolour. But the Pakistani flag was missing. Khurshid Abbas Gardezi, who was from Multan, and Iqbal Qureshi, who was from Karachi that is in Pakistan now were asked by Mr Thaddeus to stitch the Pakistani flag. Gardezi himself cut his white shirt and used the piece of cloth from the turban of Mushtaque Hussain to stitch the white and green Pakistani flag.

The Maharaja of Jaipur Sawai Man Singh presenting the award to Jasdev Singh.

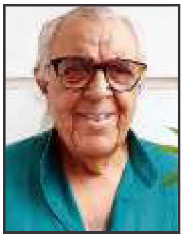

Ranbir Sinh.

Ranbir Sinh, is now 93. Ranbir Sinh is one of the surviving members and lives in Jaipur, He still remembers the journey and some historical anecdotes associated with the World Jamboree.

World Jamboree of scouts and guides was being held in Meissen in France, which was being attended by 70,000 boys and girls from all over the world. The Jamboree was held after World War II and a strong contingent of 165 boys of an undivided India including boys from Karachi and Lahore had sailed from Bombay (Mumbai) to attend the Jamboree in an Italian warship SS Electranta.The delegation of undivided India was led by a person from Kerala, GTJ Thaddeus. He was one of the people who as an active member of the Indian Scouts and Guides, worked tirelessly

to ensure that an Indian contingent should take part in the World Jamboree for the first time.

Spirit of Brotherhood

"The members of the contingent were drawn from different parts of undivided India including Sindh and West Punjab province which is now a part of Pakistan. We spoke different languages and ate the same food, it took us some time to understand each other but soon we became a large family. We did not know the difference between vari ous regions of the undivided India and language was no barrier. There was no difference based on caste, creed or religion. It was the brotherhood of United India and we all used to sing the patriotic song penned by Mohammed Iqbal Saare Jahan Se Accha Hindostan Hamara. It was the first experience of a long sea journey and that also of an angry sea; a number of boys became seasick. Our first halt was Aden, then we entered the Suez Canal and visited Cairo to see the pyramid. Then we landed at the Southampton port in London and crossed the English channel to reach France, and then to the jamburi venue.

The Indian contingent had stayed in London for 12 days. There during the meeting with the people from undivided India they came to know that both India and Pakistan would become separate nations on the night of August 14-15 and both the nations would raise, their national flags in their respective countries.

"We lived in love, affection and peace. A person from Kerala, Rai Bahadur GTJ Thaddeus, who was the secretary-general of the Indian Scouts & Guides Association, as well as the leader of the Indian delegation called me and told me that there is a big problem as to how the three flags Scout flags, Indian flag, and Pakistan flag can be hoisted on one flag post. As we were secular, he ordered me (as I was Mr Thaddeus's secretary) to find a solution. There was another d problem as when we had gone we were part of British India and were flying the Union Jack. But now both India and Pakistan were free countries, we had to fly our own national flags. VK Krishna Menon, who later became India's High Commissioner in London, had sent us the India tricolour. But the Pakistani flag was missing. Khurshid Abbas Gardezi, who was from Multan, and Iqbal Qureshi, who was from Karachi that is in Pakistan now, were asked by Mr. Thaddeus to stitch the Pakistani flag. Gardezi himself cut his white shirt and used the piece of cloth from the turban of Mushtaq Hussain to stitch the white and green Pakistani flag."

"We came up with the idea that there should be another post horizontal with the three flags. The scout flag will be in the middle, with India and Pakistan flags on both ends. We gave a demonstration to Mr. Thaddeus, he like the idea but his face was grim. The representatives of areas falling under India and those States falling under Pakistan would fight to keep the flag poles straight."

Timeless & Historical

"All the leaders from 165 nations were invited to witness the historic occasion and a special area was created for the flag hoisting ceremony."

"As a gesture, initiated by the Indian contingent's Thaddeus, Dan Mal Mathur - a teacher from Mayo College, Ajmer, who was also in the Indian delegation raised the Pakistani flag and the Indian flag was hoisted by Iqbal Kureshi of Karachi."

"All the boys sang Jana Gana Mana and Sare Jahan Se Acha. But no Pakistani national anthem was sung as it had not been written by the time. We were greeted with cakes and pastries and it was a joyous end to a great celebration for away from India on the outskirts of Paris." Said Ranbir Sinh.

This occasion was recorded by the BBC and the French radio. London's Guardian correspondent, who was covering the Jamboree, wrote: "Squatting in an Indian tent, one talked with a dozen boys Sikhs, Muslims, Hindus, Parsees, Christians and Jews- who found no trouble at all in living together with neither blows nor bitter argument."

King George VI is being introduced to the Indian contingent by GTL Thaddeus (in the middle) the leader of the Indian contingent.

The Queen of Britain meeting the Indian contingent.

on our return journey from London's Southampton port to Bombay, what I witnessed was that the atmosphere in the ship changed. Following the partition, the tragedy had fallen, friendships were broken and those who were close friends became strangers. It I was really heart-rending. On the ship SS Strathmore, Mr. Thaddeus called upon us and told us frankly that the situation was very grave. There was a danger that someone might push someone into the sea. He said that boys will have to guard the Deck in the night to ensure that this did not happen. The journey from Southampton to Bombay took 15 days, but nothing untoward happen-ed."

In the Indian contingent, there was a boy from Ajmer Aftab Hussain and a boy from Indore named Nassarullah Mustafa Khan. Mustafa was the Nawab of Sachin in Gujarat in western India, who had travelled with us.

When the Indian contingent sailed from Bombay to London, they were members of United India. But after Partition and the celebrations of the Independence Day in Paris, when the flags of both the countries were raised there was a clear Hindu-Muslim divide.

Yet, Aftab Hussain from Ajmer and Nasrullah Mustafa Khan sided with us as they wanted to be part of India. Thaddeus started keeping watch as by now the boys came to know about the communal riots in both India and Pakistan.

"Hum jab Paris Gaye the toh gulam the, aur jab wapas laute toh Azad the," thus remembered the late Jasdev Singh, in an interview with this author, a few months before his death. who had attended the sixth world jamboree.

Jasdev Singh, the celebrity sports broadcaster of India, who delighted the listeners with his live hockey commentary was well known in Pakistan.

Gulf of Detest

On reaching Bombay port, the contingent members were informed that riots have taken place. The port officers asked each member whether he was a Hindu or a Muslim. The Muslim boys were asked to go to Karachi.

"We had two Muslim boys, Nasrullah from Sachin and Aftab from Ajmer. Nasarullah's father was living in Bombay and he took his son home. The officers told Aftab that he had to go to Pakistan. We pleaded with the officers that Aftab should be allowed to go to Ajmer where his parents lived. After big arguments with the officers we finally managed to take Aftab along with us to Ajmer. Aftab became a very special and precious commodity for us as it became our solemn duty to save him from the treacherous hands of the rioters. First, during our train journey from Bombay to Ajmer, we gave him a Hindu name. We travelled in a first-class compartment from Bombay to Ajmer and gave Aftab security coverage from rioters who would enter the railway compartment to look for the Muslims. When we reached Ajmer, we hand ed over Aftab to his parents. A tearful adieu was given to Aftab, who happily joined his parents and eventually migrated to Pakistan. Thus ended our journey full of experiences that was both happy and sad. This was the first time I realised how the gulf of hatred was created between Hindus and Muslims," said Ranbir Sinh with moist eyes.....

स्वतंत्रता दिवस पर सम्मान-पुरस्कार

बाड़मेर में वनमंत्री श्री हेमा राम जी से प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए रोवर व

श्री जितेन्द्र कुमार, सचिव स्थानीय संघ खेतड़ी को झुंझुनू में प्रभारी मंत्री श्रीमती ममता भूपेश, जिला कलेक्टर श्री लक्ष्मण सिंह कुड़ी, पुलिस अधीक्षक श्री मर्दुल कछावा प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित करते हुए।

स्थानीय संघ लालसोट (दौसा) के सचिव श्री श्रीकांत शर्मा को जिला स्तर पर सम्मानित करते हुए प्रभारी मंत्री व जिला कलेक्टर महोदय।

स्वतंत्रता दिवस पर स्काउटिंग व जन सहयोग में श्रेष्ठ कार्य करने पर सम्मानित होते हुए श्री कुका काठात, कब मास्टर, जिला भीलवाड़ा

स्वतंत्रता दिवस पर सम्मान-पुरस्कार

अजमेर जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस पर सम्मानित उर्मिला मेहरा (डीटीसी गाइड)

कैबिनेट मंत्री श्री महेन्द्रजीत सिंह मालविया और जिला कलेक्टर श्री प्रकाश चन्द्र शर्मा से सम्मानित होते हुए दीपेश शर्मा सी.ओ.स्काउट बांसवाड़ा

राजस्व एवं श्रम राज्य मंत्री श्री सुखराम विश्नोई, श्री पुखराज पाराशर जन अभाव अभियोग निराकरण समिति अध्यक्ष व श्री निशांत जैन जिला कलेक्टर सुबोध विद्या मंदिर उ.मा. विद्यालय जालोर के गोल्डन एरो प्राप्त कब श्री अनिल सुंदेशा को प्रमाण पत्र एवं चरखा भेंट कर सम्मानित करते हुए

करौली में केबिनेट मंत्री पंचायती राज एवं विकास विभाग श्री रमेश मीणा व जिला कलेक्टर श्री अंकित कुमार सिंह रोवर लवकुश मंगल एवं रेंजर सुश्री सरिता मीना को प्रशस्ति पत्र व शील्ड प्रदान कर सम्मानित करते हुए

बांसवाड़ा में रोवर भाविक सुथार एवं रेंजर वैशाली कलाल रोवरिंग-रेंजरिंग में उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित होते हुए

स्काउट कार्यालय के लिए संघर्ष और सफलता की कहानी

प्रताप सोनी
सहायक सचिव
स्थानीय संघ चौमूं (जयपुर)

मैं प्रताप सोनी स्काउट संगठन से बाल्यवस्था से ही जुड़ा रहा हूं। विद्यार्थी जीवन में मैंने एक स्काउट के रूप में राष्ट्रपति स्काउट अवार्ड प्राप्त किया है। इसके बाद भी मैं स्काउट से जुड़ा रहा जैसे कहते हैं ''एकदा स्काउट सर्वदा स्काउट'' और यह मेरे जीवन से जुड़ गया। शिक्षा पूर्ण कर मैं व्यवसाय में चला गया पर स्काउटिंग मेरे रोम रोम में बसी होने के कारण मैं स्काउटिंग से दूर नहीं रह पाया। राष्ट्रीय सेवा, देश भावना हमेशा मेरे मन में रहती है इसी कारण मैंने टारगेट सीनियर सैकेंडरी स्कूल चौमूं में स्काउट ग्रूप चालू किया। हर सप्ताह 2 दिन मैं विद्यालय में जाकर स्काउट को प्रशिक्षण दिया करता हूं। विद्यालय के कई स्काउट राष्ट्रपति अवार्ड व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय शिविरों में राजस्थान व भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

मेरी इन भावनाओं को देखते हुए स्थानीय संघ चौमूं में मुझे सहायक सचिव के रूप में संगठन की सेवा करने का मौका दिया गया। 2012 से 2019 तक स्थानीय संघ चौमूं का राज्य व राष्ट्र में अपना अच्छा स्थान था। स्थानीय संघ के स्काउट गाइड ने मेरे साथ वर्ल्ड स्काउट जंबूरी व अन्य कई अंतरराष्ट्रीय शिविरों में भागीदारी की व राष्ट्र का प्रतिनिधित्व भी किया।

स्थानीय संघ चौमूं का कार्यालय 1959 से रावला चौक सरकारी अस्पताल के बाहर चौमूं में संचालित रहा था। यहां मैंने भी मेरे स्काउट होने के समय में कई गतिविधियां की। उस समय यहां कार्यालय में दो कमरे व पास की खाली जगह में चारों तरफ 10 फुट की बाउंड्री हो रखी थी, जिसके एक गेट लगा हुआ था, जिसकी चाबी हमेशा से ही स्काउट सचिव के पास रहती थी। उस खाली जगह पर टीन शेड लगे हुए थे। 2019 में उस खाली टीन शेड की जगह पर कार्यकारिणी में सर्वसम्मति से छत डलवाने का निर्णय किया गया और स्थानीय संघ द्वारा 23.05.2019 को छत डलवा दी गई। परंतु कई भू माफियाओं ने राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय से मिलकर नगर पालिका चौमूं में गलत शिकायत कर उस छत को 12 जून, 2019 को तुड़वा दिया।

उल्लेखनीय है कि इस कार्यालय की जगह चौमूं राजघराने के ठाकुर साहब के द्वारा स्काउट संगठन को दी गई थी। उसके बाद 1959 में स्टेट हेडक्वार्टर स्काउट द्वारा अधिकार पत्र जारी किया गया था। स्काउट संघ के पास कुछ पुख्ता दस्तावेज जैसे बिजली के बिल, कार्यालय पर आने वाली डाक, कुछ लेटर जो स्कूल द्वारा स्थानीय संघ की जगह चाहने पर लिखे गये थे आदि कई दस्तावेज स्काउट संघ के पास थे। आज जमीन की कीमत करोड़ों रुपए होने के कारण भू माफियाओं व कुछ राजनेताओं द्वारा उस जगह को हड़पने की मंशा सामने आ रही थी। बिना सूचना दिए बिना स्काउट संघ की बात सुने कार्यालय को तोड़े जाने पर हमने काफी विरोध जताया, पर भू माफियाओं और राजनेताओं के आगे हमारी नहीं चल पा रही थी। अंत में हमने न्यायालय की शरण ली, साथ ही मैंने हार नहीं मानी और मैं प्रतिदिन अधिकारियों से मिलता रहा पर किन्हीं राजनेताओं के कारण मुझे वहां सफलता नहीं मिल पा रही थी। फिर भी मैं प्रतिदिन सुबह स्काउट्स कार्यालय के काम से निकलता और प्रशासनिक अधिकारियों से मिलता। इसी बीच मैं स्टेट चीफ कमिश्नर श्री जे.सी. महांति से मिला उनको लिखित में कार्यालय के बारे में हुई दुर्घटना से अवगत करवाया जिस पर उन्होंने तत्काल जयपुर कलेक्टर श्री जगरूप सिंह जी को पत्र

तत्कालीन मुख्य सचिव व स्टेट चीफ कमिश्नर
श्री निरंजन आर्य को पट्टा जारी कराने हेतु ज्ञापन सौंपते हुए

लिखा। कलेक्टर साहब ने एसडीएम को जांच लिखी पर किन्ही कारणों से वह जांच होकर भी उसकी रिपोर्ट आज तक भी नहीं आ सकी। धीरे धीरे समय बीतता गया और मैं भी अब हार चुका था। मन में सोचता अब करूं तो क्या करूं कहीं से कोई भी सपोर्ट नहीं मिल पा रहा था, ना ही तो स्काउट कार्यालय से ना ही प्रशासनिक अधिकारियों से यहां तक की मैं कार्यालय और प्रशासनिक अधिकारियों के इतने चक्कर लगा चुका था की उनका स्टाफ भी मुझे धीरे धीरे फालतू और पागल समझने लगा था। मैं इन सब बातों को समझ रहा था। वर्तमान युग में अगर कोई निःस्वार्थ जरूरत से ज्यादा सेवा भावना रखकर काम करता है तो लोग उसको शक की निगाह से देखते हैं। सोचते हैं इसको कुछ लालच होगा और यह सब मेरे साथ हो रहा था पर मैंने कभी भी किसी ने मेरा मजाक भी बनाया तो परवाह नहीं की और मैं मेरे लक्ष्य के लिए दौड़ता रहा पर इसी उम्मीद के साथ कि सच्चाई की हमेशा जीत होती है।

रुक्षमणी कुमारी जी को ज्ञापन सौंपते हुए

उन्हीं दिनों श्री निरंजन आर्य स्टेट चीफ कमिश्नर का निर्विरोध चुनाव जीतकर एक बार फिर राज्य मुख्य आयुक्त स्काउट के पद पर आ गए और यह सौभाग्य की बात थी की वह इस समय मुख्य सचिव राजस्थान के पद पर थे। मैंने उनसे मिलने का निश्चय किया और मैं उनके निवास स्थान जा पहुंचा। सर ने मेरी बात को सुना और समझा व उस कार्यालय के दस्तावेजों की जांच करवानी शुरू कर दी। धीरे धीरे सच्चाई सामने आने लगी। मैं प्रतिदिन श्री निरंजन जी आर्य के घर और ऑफिस दोनों जगह सर से मिलने जाता था, सर काफी व्यस्त रहते थे फिर भी जैसे तैसे मेरी बात सुन लिया करते थे। सर से सपोर्ट मिला तो मेरा मनोबल बढ़ने लगा और मैं वापस हिम्मत जुटा रहा था। मुझे किसी की कही हुई बात याद आई कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती। यह विचार मन में आते ही मैं अपनी क्षमता से दोगुनी ऊर्जा के साथ काम करने लगा। इसी दौरान मेरी मुलाकात चौमूं राजघराने की राजकुमारी रुक्षमणी कुमारी से हुई, इस कार्यालय की जमीन इन्हीं के परिवार के द्वारा दी गई थी। मैंने उनसे मिलकर उनको सारी बात बताई तो उन्होंने मेरा कार्यालय को लेकर खूब साथ दिया। वह स्काउट कार्यालय के लिए कई बार मेरे साथ श्री निरंजन जी आर्य से व्यक्तिगत मिलने भी गईं। अब आर्य साहब जान चुके थे कि इसमें कहीं ना कहीं राजनीति भी हावी है। सर ने प्रशासनिक अधिकारियों को निष्पक्ष जांच करने के आदेश दिए और जांच होने के बाद चौमूं नगर पालिका अधिशासी अधिकारी हेमेंद्र कुमार ने बिना किसी के दबाव में आए निष्पक्ष व नियमों से काम करते हुए स्काउट गाइड पट्टे की फाइल को आगे बढ़ाया और लगभग पट्टा देने की स्थिति में पहुंचे। परन्तु उसी दौरान उनका ट्रांसफर छबड़ा हो गया। मैं फिर सर के पास दौड़ता रहा, काम वापस रुक गया था। फिर देवेंद्र जिंदल अधिशासी अधिकारी चौमूं के पद पर आए जिन्होंने बिना किसी के दबाव में आए फाइल की पूर्ण जानकारी ली और पट्टा स्काउट कार्यालय के नाम 8 अगस्त, 2022 को जारी कर स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन जी आर्य को सुपुर्द किया।

इस कार्य में मैडम रुक्षमणी कुमारी द्वारा पूर्ण सहयोग दिया गया। यह पल मेरे लिए किसी ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने से कम नहीं था क्योंकि बहुत घोर संघर्ष के बाद व राजनीतिक बाधाओं का शिकार होने के बाद यह सफलता प्राप्त हुई थी। इसके लिए मैं मन से स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन जी आर्य और राज परिवार चौमूं की राजकुमारी रुक्षमणी कुमारी व अधिशासी अधिकारी नगर पालिका चौमूं हेमेंद्र कुमार व देवेंद्र जिंदल को धन्यवाद देना चाहूंगा और कहना चाहूंगा कि जिस प्रकार आपने जो सहयोग और साथ दिया है उसी के कारण आज स्थानीय संघ कार्यालय चौमूं की अपनी भूमि पुनः उसके स्वामित्व में आ गई है। आपने स्काउट का स्वाभिमान बढ़ाया है और इसके लिए मैं सदैव आपका आभारी रहूंगा। सभी को कोटिः कोटिः धन्यवाद और अपेक्षा है कि आप अपना आशीर्वाद बनाए रखेंगे।

जय हिंद जय स्काउटिंग।

HAPPY TEACHERS' DAY

Dr. Nandita Mishra

In India, teachers' day is celebrated on 5 September every year to mark the birthday of Dr Sarvapalli Radhakrishnan, the first vice-president of India and a highly respected teacher, philosopher and statesman. During his tenure as a President of India his students and friends requested him to celebrate his birthday. He asked them to observe his birthday as Teachers' Day and make it a celebration for all.

Looking at the current situation, I think the greatest teacher is the pandemic. Experience in a year is more important than years of experience. The pandemic has in fact taught us many enriching lessons of life and livelihood. Both in 2020 and 2021, owing to the Covid-19 pandemic, teachers' day was celebrated online. Teachers are the bedrock upon which any quality education is built and this is one profession, which never stopped even during the worse pandemic times. The role of teachers has changed and is always evolving amidst the changing technologies. Adopting the online mode from an age old practice of offline class was not easy for any teacher, whether in school or college. But we all did it and surpassed all challenges.

I am sure while a teacher prepared for the next class, the child in next room was attending to online lectures or someone was ailing in the other room or a family member was quarantined due to Covid- 19. Worse was the case when we lost our near and dear ones.... But learning never stopped.

All of a sudden the workspaces and personal spaces were blurred. It was work from home and work for home. Some teachers doubled up as health workers and helped to implement the Covid guidelines, vaccination drives and medical support. Let's join our hands and thank them.

Teachers' Day is a special time to applaud our teachers and the entire teaching fraternity. In the moment of emerging strong and determined, our teachers have made it possible by working extended hours and keeping the students engaged positively.

When someone takes an effort to pass on one's treasure of knowledge to another with sheer desire to make the other person a better human being, that spirit is known as teacher. Our mothers are our first teachers and so is everyone who taught us life lessons. Technology is just a tool; it's the teacher who makes all the difference. Teachers make it possible for ordinary students achieve extraordinary careers. Let us salute the spirit of a teacher and thank all our teachers!!!

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में 'अन्वेषक/खोजी' एवं 'नागरिक सुरक्षा' दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

अन्वेषक/खोजी
EXPLORER

युवा पीढ़ी में अनेक प्रकार की जिज्ञासा रहती है। वह अपने आस–पास की भौगोलिक स्थिति, वनस्पतियों, नदी–नालों, ऐतिहासिक स्थलों आदि के बारे में बहुत कुछ जानने के लिए लालायित रहता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए अन्वेषक/खोजी दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। अन्वेषक/खोजी दक्षता बैज के लिए निम्नानुसार पाठ्यक्रम पूर्ण करना आवश्यक है –

वा पीढ़ी में अनेक प्रकार की जिज्ञासा रहती है। वह अपने आस–पास की भौगोलिक स्थिति, वनस्पतियों, नदी–नालों, ऐतिहासिक स्थलों आदि के बारे में बहुत कुछ जानने के लिए लालायित रहता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए अन्वेषक/खोजी दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। अन्वेषक/खोजी दक्षता बैज के लिए निम्नानुसार पाठ्यक्रम पूर्ण करना आवश्यक है –

(1) निम्नलिखित विशेष उद्देश्यों के आधार पर अपने, क्षेत्र या अपने घर अथवा दल के मुख्यालय के निकट चारों ओर कम–से–कम 5 कि.मी. अर्द्धव्यास के क्षेत्र में 12 माह के समय में निम्न में से किसी एक विषय पर खोज की हो–

(1) पूर्व वाले या वर्तमान के मानचित्र में प्रदर्शित पगडंडियों, मार्गों, जलमार्गों को खोजे और उनकी वर्तमान स्थिति और दशा की सूचना दे सकें।

(2) क्षेत्र के उद्योगों, कृषि की प्रकृति, कृषि योग्य या गोचर भूमि का अनुमान लगाए और इस भूमि की वर्तमान उपयोगिता की पूरी रिपोर्ट तैयार करें।

(3) अपने क्षेत्र के इतिहास के बारे में पूरा विवरण तैयार करें जिसमें विशेष रूचि वाले स्थानों की प्राचीन वस्तुओं तथा उन्हें विज्ञापनों आदि से किस सीमा तक विकृत किया गया है, का विवरण दें।

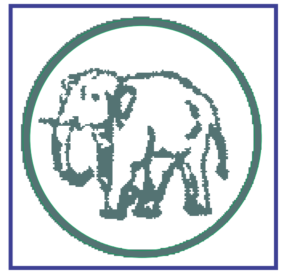

(4) इस क्षेत्र में सामान्य रूप से पाए जाने वाले वृक्षों, फूलों, पक्षियों तथा पशुओं के बारे में रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

अथवा

(2) कम–से–कम 8 कि.मी. दूरी तक नाव चलाने योग्य किसी नदी या नहर की, ज्वार–भाटे की जानकारी सहित, पूरी जानकारी रखे, धाराएँ, रेतीले या दलदली किनारों जहाँ पर ज्वार–भाटा सबसे अधिक प्रभावकारी होता है, नाव ठहराने के स्थल (लंगर डालने की जगह), स्थानीय नियम और परम्पराएँ, स्थानीय सड़क–नियम व सफाई के नियम जिनका प्रभाव स्काउट्स द्वारा जल मार्गों को प्रयोग में लाने पर पड़ता है (जैसे–नहाने के लिए प्रतिबन्ध, नदी को प्रदूषित होने से रोकना आदि), की जानकारी रखें और यह जानें कि विशेष खतरा कहाँ–कहाँ पर है।

(3) क्षेत्र में, नावों के लंगर डालने के स्थान के निकट दो शिविर स्थलों को जानें तथा उनके मालिकों के नाम एवं पते के साथ–साथ पीने के पानी की उपलब्धता की भी जानकारी हो।

टिप्पणी :– प्रत्येक संदर्भ में उसे अपनी खोज सम्बन्धी यात्रा की लॉग–बुक प्रस्तुत करनी चाहिए। इसमें दूरी व कि.मी. और यथा सम्भव स्पष्टीकरण के लिए चित्र व नक्शे आदि भी हों।

नागरिक सुरक्षा
CIVIL DIFENCE

नागरिक सुरक्षार्थ विविध प्रकार के प्रशिक्षण की आवश्यकता रहती है, इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए नागरिक सुरक्षा दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। पाठ्यक्रम निम्नानुसार है –

(1) अपने मोहल्ले या क्षेत्र में तथा अपने निवास स्थान विद्यालय या कार्यालय की 1 कि.मी. अर्द्धव्यास के घेरे में उपलब्ध 'नागरिक सुरक्षा सेवाओं' यथा–वार्डन का नाम, वार्डन पोस्ट, प्राथमिक सहायता केन्द्र, औषधालयों, अस्पतालों और अन्य ए.आर.पी. सेवाओं (एयर रेड प्रिकाशनरी सेवाओं) अर्थात 'हवाई हमले से सुरक्षात्मक सेवाएँ', जो भी उस क्षेत्र में उपलब्ध हों, उनकी विस्तृत जानकारी हो।

(2) आपातकालीन स्थिति के समय 'सूचना–प्रपत्र' को सही ढंग से भरना जाने और संबंधित वार्डन को लिखित सूचना भेजना जाने।

(3) हवाई हमले और अन्य आपातकालीन स्थिति में फँसे लोगों को संकट से बचाने के लिए प्राथमिक सहायता उपचार और दुर्घटना से बचाव के तरीकों को जाने।

(4) आग बुझाने के कम–से–कम दो तरीकों को जानें।

(5) अपने मोहल्ले या क्षेत्र में स्थित नागरिक सुरक्षा संगठन में अपनी सेवाओं के पंजीकरण का तथा निम्नलिखित 'नागरिक सुरक्षा सेवाओं' में से किसी एक में प्रशिक्षण प्राप्त करने का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करें–

(1) अग्नि शमन दस्ता (2) प्राथमिक सहायता दल

(3) सन्देश वाहक दल (4) दूर–संचार सेवा दल।

(6) क्षतिग्रसत (ध्वस्त) मकानों में से व्यक्तियों को बचाने का तरीका जाने।

हमारे महापुरूष

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

◇ स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

आजाद भारत के पहले उपराष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति के तौर पर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का नाम भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से लिखा गया है। वे दर्शनशास्त्र का भी बहुत ज्ञान रखते थे, उन्होंने भारतीय दर्शनशास्त्र में पश्चिमी सोच की शुरुवात की थी। राधाकृष्णन प्रसिद्ध शिक्षक भी थे, यही वजह है, उनकी याद में हर वर्ष 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। बीसवीं सदी के विद्वानों में उनका नाम सबसे उपर है। वे पश्चिमी सभ्यता से अलग, हिंदुत्व को देश में फैलाना चाहते थे। राधाकृष्णन जी ने हिंदू धर्म को भारत और पश्चिम दोनों में फ़ैलाने का प्रयास किया, वे दोनों सभ्यता को मिलाना चाहते थे। उनका मानना था कि शिक्षकों का दिमाग देश में सबसे अच्छा होना चाइये, क्यूंकि देश को बनाने में उन्हीं का सबसे बड़ा योगदान होता है।

डॉ राधाकृष्णन का जन्म 5 सितम्बर 1888 को तमिलनाडु के छोटे से गांव तिरुमनी में ब्राह्मण परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम सर्वपल्ली विरास्वामी था, वे गरीब जरुर थे किंतु विद्वान ब्राम्हण भी थे। इनके पिता के ऊपर पुरे परिवार की जिम्मदारी थी, इस कारण राधाकृष्णन को बचपन से ही ज्यादा सुख सुविधा नहीं मिली। राधाकृष्णन ने 16 साल की उम्र में अपनी दूर की चचेरी बहन सिवाकमु से शादी कर ली। जिनसे उन्हें 5 बेटी व 1 बेटा हुआ। इनके बेटे का नाम सर्वपल्ली गोपाल है, जो भारत के महान इतिहासकारक थे। राधाकृष्णन जी की पत्नी की मौत 1956 में हो गई थी। भारतीय क्रिकेट टीम के महान खिलाड़ी वीवीएस लक्ष्मण इन्हीं के खानदान से ताल्लुक रखते है।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की शिक्षा

डॉ. राधाकृष्णन का बचपन तिरुमनी गांव में ही व्यतीत हुआ। वहीं से इन्होंने अपनी शिक्षा की प्रारंभ की। आगे की शिक्षा के लिए इनके पिता जी ने क्रिश्चियन मिशनरी संस्था लुथर्न मिशन स्कूल, तिरुपति में दाखिला करा दिया, जहां वे 1896 से 1900 तक रहे। सन 1900 में डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने वेल्लूर के कॉलेज से शिक्षा ग्रहण की। तत्पश्चात मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, मद्रास से अपनी आगे की शिक्षा पूरी की। वह शुरू से ही एक मेंधावी छात्र थे। इन्होंने 1906 में दर्शन शास्त्र में एम.ए. किया था। राधाकृष्णन जी को अपने पुरे जीवन शिक्षा के क्षेत्र में स्कालरशिप मिलती रही।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के करियर की शुरुवात

1909 में राधाकृष्णन जी को मद्रास प्रेसीडेंसी कॉलेज में दर्शनशास्त्र का अध्यापक बना दिया गया। सन 1916 में मद्रास रजिडेसी कालेज में ये दर्शन शास्त्र के सहायक प्राध्यापक बने। 1918 मैसूर यूनिवर्सिटी के द्वारा उन्हें दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर के रूप में चुना गया। तत्पश्चात वे

इंग्लैंड के oxford university में भारतीय दर्शन शास्त्र के शिक्षक बन गए। शिक्षा को डॉ. राधाकृष्णन पहला महत्व देते थे। यही कारण रहा कि वो इतने ज्ञानी विद्वान् रहे। शिक्षा के प्रति रुझान ने उन्हें एक मजबूत व्यक्तित्व प्रदान किया था। हमेशा कुछ नया सीखना पढने के लिए उतारू रहते थे। जिस कालेज से इन्होंने एम.ए. किया था वहीं का इन्हें उपकुलपति बना दिया गया। किन्तु डॉ. राधाकृष्णन ने एक वर्ष के अंदर ही इसे छोड़ कर बनारस विश्वविद्यालय में उपकुलपति बन गए। इसी दौरान वे दर्शनशास्त्र पर बहुत सी पुस्तकें भी लिखा करते थे।

डॉ. राधाकृष्णन, विवेकानंद और वीर सावरकर को अपना आदर्श मानते थे। इनके बारे में इन्होंने गहन अध्ययन कर रखा था। डॉ. राधाकृष्णन ने अपने लेखों और भाषणों के माध्यम से समूचे विश्व को भारतीय दर्शन शास्त्र से परिचित कराने का प्रयास किया। डॉ. राधाकृष्णन बहुआयामी प्रतिभा के धनी होने के साथ ही देश की संस्कृति को प्यार करने वाले व्यक्ति भी थे।

डॉ. राधाकृष्णन का राजनीति में आगमन

जब भारत को स्वतंत्रता मिली उस समय जवाहरलाल नेहरू ने राधाकृष्णन से यह आग्रह किया, कि वह विशिष्ट राजदूत के रूप में सोवियत संघ के साथ राजनयिक कार्यों की पूर्ति करें। नेहरूजी की बात को स्वीकारते हुए डॉ. राधाकृष्णन ने 1947 से 1949 तक संविधान निर्मात्री सभा के सदस्य के रूप में कार्य किया। संसद में सभी लोग उनके कार्य और व्यवहार की बेहद प्रंशसा करते थे। अपने सफल अकादमिक कैरियर के बाद उन्होंने राजनीतिक में अपना कदम रखा।

13 मई 1952 से 13 मई 1962 तक वे देश के उपराष्ट्रपति रहे। 13 मई 1962 को ही वे भारत के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। राजेंद्र प्रसाद की तुलना में इनका कार्यकाल काफी चुनौतियों भरा था, क्योंकि जहां एक ओर भारत के चीन और पाकिस्तान के साथ युद्ध हुए, जिसमें चीन के साथ भारत को हार का सामना करना पड़ा। वहीं दूसरी ओर दो प्रधानमंत्रियों का देहांत भी इन्हीं के कार्यकाल के दौरान ही हुआ था। उनके काम को लेकर साथ वालों को उनसे विवाद कम व सम्मान ज्यादा था।

डॉ. राधाकृष्णन को मिले सम्मान व अवार्ड

- शिक्षा और राजनीति में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए डॉ. राधाकृष्णन को सन 1954 में सर्वोच्च अलंकरण "भारत रत्न" से सम्मानित किया गया।
- 1962 से राधाकृष्णन जी के सम्मान में उनके जन्म दिवस 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई।
- सन 1962 में डॉ. राधाकृष्णन को "ब्रिटिश एकेडमी" का सदस्य बनाया गया।
- पोप जॉन पाल ने इनको "गोल्डन स्पर" भेंट किया।
- इंग्लैंड सरकार द्वारा इनको "आर्डर ऑफ़ मेरिट" का सम्मान प्राप्त हुआ।

डॉ. राधाकृष्णन ने भारतीय दर्शन शास्त्र एवं धर्म के उपर अनेक किताबे लिखी जैसे "गौतम बुद्धाः जीवन और दर्शन", "धर्म और समाज", "भारत और विश्व" आदि। वे अक्सर किताबे अंग्रेज़ी में लिखते थे।

1967 के गणतंत्र दिवस पर डॉ. राधाकृष्णन ने देश को सम्बोधित करते हुए यह स्पष्ट किया था, कि वह अब किसी भी सत्र के लिए राष्ट्रपति नहीं बनना चाहेंगे और बतौर राष्ट्रपति ये उनका आखिरी भाषण रहा।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की मृत्यु

17 अप्रैल 1975 को एक लम्बी बीमारी के बाद डॉ. राधाकृष्णन का निधन हो गया। शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान हमेशा याद किया जाता है। इसलिए 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाकर डॉ. राधाकृष्णन के प्रति सम्मान व्यक्त किया जाता है। इस दिन देश के विख्यात और उत्कृष्ट शिक्षकों को उनके योगदान के लिए पुरुस्कार प्रदान किए जाते हैं। राधाकृष्णन को मरणोपरांत 1975 में अमेरिकी सरकार द्वारा टेम्पलटन पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो कि धर्म के क्षेत्र में उत्थान के लिए प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार को ग्रहण करने वाले यह प्रथम गैर–ईसाई सम्प्रदाय के व्यक्ति थे।

डॉ. राधाकृष्णन ने अपने जीवन के 40 वर्ष एक शिक्षक बन कर रहे। शिक्षा के क्षेत्र में और एक आदर्श शिक्षक के रूप में डॉ. राधाकृष्णन को हमेशा याद किया जाएगा।

CELEBRATIONS DAYS : SEPTEMBER-OCTOBER, 2022

05 September	:	**National Teachers Day**
06 September	:	**National Defense Day**
08 September	:	**International Literacy Day**
16 September	:	**International Day for the Preservation of the Ozone Layer**
01 October	:	**International day of Older Persons**
02 October	:	**Gandhi Jayanti**
05 October	:	**International Teachers Day**
10 October	:	**World Mental Health Day**
31 October	:	**National Unity Day**

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

जम्बूरी विशेष

आदेश-परिपत्र

कार्यालय, निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर

क्रमांकः शिविरा/प्रारं/खेकू/स्वाशि/7511/2022–23/191

दिनांक : 10.08.2022

परिपत्र

भारत स्काउट व गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में 4 जनवरी से 10 जनवरी, 2023 तक '18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी' रोहट, पाली में आयोज्य है। इस जम्बूरी में भारत व पड़ौसी राष्ट्रों से लगभग 35000 स्काउट्स/गाइड्स भाग लेंगे। इन स्काउट्स/गाइड्स में शारीरिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक क्षमताओं का विकास कारते हुए स्थानीय, राष्ट्रीय तथा अन्तरराष्ट्रीय समुदाय के प्रति उत्तरदायी नागरिक के रूप में विकसित करने सम्बन्धी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। इस अवसर पर बालक/बालिकाओं का विश्व भ्रातृत्व, परस्पर प्रेम, सहयोग, टीम स्पिरिट एवं राष्ट्रीय भावात्मक एकता के खुले पाठ पढ़ने एवं अभ्यास के सुअवसर उपलब्ध करवाये जायेंगे।

इस सम्बन्ध में निम्नलिखित निर्देश प्रदान किये जाते हैंः–

1. जम्बूरी में सहभागिता हेतु अपने अधीनस्थ विद्यालयों से प्रति स्थानीय संघ (ब्लॉक स्तर) पर (9+1) संख्या की तीन–तीन टोली स्काउट व एक–एक टोली गाइड का चयन कर, चयनित स्काउट–गाइड का ऑनलाइन पंजीकरण www.rajscoutguide.org वेबसाइट पर करवा कर दो–दो फोटो सहित तीन प्रतियों में आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी तैयार कर एक प्रति सम्बन्धित जिला मुख्यालय के माध्यम से एवं एक प्रति सीधे स्काउट व गाइड राज्य मुख्यालय, जयपुर एवं इस कार्यालय को भेजें।
2. जम्बूरी के अवसर पर राजस्थान दल का एक तैयारी शिविर दिनांकः 29 दिसम्बर, 2022 से 3 जनवरी, 2023 तक जम्बूरी स्थल, रोहट (पाली) पर आयोजित किया जायेगा। इस हेतु विद्यालय से जम्बूरी स्थल तक आने व जाने का रेल/बस किराया विद्यालय द्वारा वहन किया जायेगा। सम्भागियों को 28 दिसम्बर, 2022 को सायंकाल तक जम्बूरी ग्राउण्ड पर पहुंचना होगा।
3. जम्बूरी में भाग लेने वाले स्काउट्स/गाइड्स एवं स्काउटर्स/गाइडर्स को कर्तव्य पर मानते हुए इन अध्यापकों/अध्यापिकाओं/शिक्षा अधिकारियों को राज्य सरकार के आदेश क्रमांकः एफ12 (शिक्षा) ग्रुप 4/76 दिनांक 28.08.79 के अनुसार यात्रा एवं दैनिक भत्ता राजकोष से देय होगा।
4. जम्बूरी की यात्रा, भोजन, शैक्षिक भ्रमण एवं पोशाक इत्यादि पर निम्नानुसार 6500/– रुपए प्रति स्काउट/गाइड व्यय होने का अनुमान हैः–

क्र. सं.	व्यय का विवरण	विद्यालय द्वारा	स्वयं प्रतिभागी द्वारा	योग
1.	रेल/बस किराया	रू. 1500/–	–	रू. 1500/–
2.	भोजन व्यय	रू. 1500/–	रू. 100/–	रू. 2500/–
3.	पोशाक व्यय	–	रू. 1000/–	रू. 1000/–
4.	विशेष गणवेश	–	रू. 500/–	रू. 500/–
5.	शैक्षिक भ्रमण	–	रू. 400/–	रू. 400/–
6.	शिविर कला व्यय	रू. 600/–	–	रू. 600/–
	योग	रू. 3600/–	रू. 2900/–	रू. 6500/–

नोट जम्बूरी हेतु बस/रेल किराया कम/अधिक हो सकता है।

उपर्युक्तानुसार रू. 6500/– में से रू. 3600/– प्रति स्काउट/गाइड छात्र निधि कोष/विकास कोष/उपलब्ध कोष में से व्यय करने की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की जाती है। रू. 2900/– प्रति स्काउट/गाइड एवं स्काउटर/गाइडर स्वयं द्वारा वहन किया जायेगा। जो स्काउट व गाइड जम्बूरी सम्बन्धी श्रेष्ठ योग्यता रखते हैं किन्तु आर्थिक कठिनाई के कारण स्वयं द्वारा वहन की जाने वाली राशि देने में असमर्थ हैं, उनकी राशि संस्था प्रधान द्वारा भामाशाहों से सहयोग प्राप्त कर जमा करवाई जाये।

सम्बन्धित विद्यालयों के संस्था प्रधानों को निर्देशित किया जाता है कि विशेष गणवेश की राशि प्रति सम्भागी की दर से 10 x 500 = 5000/– रूपये प्रति विद्यालय (प्रति पेट्रोल) जिला मुख्यालय पर ऑनलाइन पंजीकरण फार्म प्रिंट की एक प्रति के साथ जमा करवायें। जम्बूरी के सम्बन्ध में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर द्वारा समय–समय पर प्रसारित सूचनाओं/निर्देशों के अनुसार कार्यवाही करें।

विशेष नोटः–

जम्बूरी में भाग लेने वाले स्काउट्स/गाइड्स की अर्द्धवार्षिक/स्थानीय प्रायोगिक परीक्षाएं इत्यादि जम्बूरी के उपरान्त विद्यालय स्तर पर ली जायें।

गौरव अग्रवाल, आई.ए.एस.,
निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा एवं
पं.राज (प्रा.शि.) विभाग राजस्थान, बीकानेर

कार्यालय–निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर

क्रमांक : शिविरा/माध्य/खेलकूद–1/35105/स्काउट एवं गाइड/जम्बूरी/2022/86–87 दिनांक 16/08/2022

परिपत्र

भारत स्काउट व गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में दिनांक 04 से 10 जनवरी, 2023 तक 18वीं राष्ट्रीय

स्काउट गाइड जम्बूरी, रोहट, पाली में आयोजित की जा रही हैं। इस जम्बूरी में भारत व पड़ौसी राष्ट्रों में लगभग 35 हजार स्काउट्स/गाइड्स भाग लेंगे। इन स्काउट्स/गाइड्स में शारीरिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक क्षमताओं का विकास करते हुए स्थानीय, राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय के प्रति उत्तरदायी नागरिक के रूप मे विकसित करने सम्बन्धी विभिन्न गतिविधियां आयोजित होनी है। इस अवसर पर बालक/बालिकाओं को विश्व भ्रातृत्व, परस्पर प्रेम, सहयोग, टोली भाव एवं राष्ट्रीय भावात्मक एकता के खुले पाठ पढ़ने एवं अभ्यास के सुअवसर उपलब्ध करवाये जावेंगे।

अत इस संबंध में निम्नलिखित दिशा–निर्देश प्रदान किये जाते है :–

1. जम्बूरी में सहभागिता हेतु अपने अधीनस्थ विद्यालयों से प्रति स्थानीय संघ (ब्लॉक स्तर) पर (9+1) संख्या की तीन–तीन टोली स्काउट व एक–एक टोली गाइड का चयन कर, चयनित स्काउट व गाइड का ऑनलाइन पंजीकरण www.rajscoutguide.org वेबसाइट पर करवाकर दो–दो फोटो सहित तीन प्रतियों में आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी तैयार कर एक प्रति सम्बन्धित जिला मुख्यालय के माध्यम से एवं एक प्रति सीधे स्काउट व गाइड राज्य मुख्यालय, जयपुर एंव इस कार्यालय को भिजवाएँ।
2. जम्बूरी के अवसर पर राजस्थान दल का एक तैयारी शिविर दिनांक 29 दिसम्बर 2022 से 03 जनवरी, 2023 तक जम्बूरी स्थल, रोहट (वाली) पर आयोजित किया जावेगा। इस हेतु विद्यालय से जम्बूरी स्थल तक आने व जाने का रेल/बस किराया विद्यालय द्वारा बहन किया जायेगा।
3. जम्बूरी में भाग लेने वाले स्काउट्स/गाइड्स एवं स्काउटर्स/गाइडर्स को कर्त्तव्य पर मानते हुए इन अध्यापक/अध्यापिकाओं/शिक्षा अधिकारियों, को राज्य सरकार के आदेश संख्या एफ12(शिक्षा) ग्रुप 4/76 दिनांक 28.08.76 के अनुसार यात्रा एवं दैनिक भत्ता राजकोष से देय होगा।
4. जम्बूरी की यात्रा/भोजन/शैक्षिक भ्रमण, पोशाक, आदि पर निम्नानुसार 6500/– रूपये प्रति स्काउट/गाइड व्यय होने का अनुमान हैं :–

क्र. सं.	व्यय वितरण	विद्यालय द्वारा	स्वयं संभागी द्वारा	योग
1.	रेल/बस किराया	1500	–	1500
2.	भोजन व्यय	1500	1000	2500
3.	पौशाक व्यय	–	1000	1000
4.	विशेष गणवेश	–	500	500
5.	शैक्षिक भ्रमण	–	400	400
6.	शिविर कला व्यय	600	–	600
	योग	**3600**	**2900**	**6500**

नोट :– जम्बूरी बस/रेल किराया कम/अधिक भी हो सकता हैं।

उपरोक्तानुसार रूपये 6500/– में से 3600/– प्रति स्काउट/गाइड छात्र निधि कोष/विकास कोष/उपलब्ध कोष में से व्यय करने की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की जाती है एवं रूपये 2900/– प्रति स्काउट/गाइड एवं स्काउटर/गाइडर द्वारा स्वयं वहन किया जायेगा। जो स्काउट व गाइड जम्बूरी सम्बन्धी श्रेष्ठ योग्यता रखते हैं, किन्तु आर्थिक कठिनाई के कारण स्वयं द्वारा वहन की जाने वाली राशि देने में असमर्थ है, तो उनकी राशि संस्था प्रधान द्वारा भामाशाहों से प्राप्त कर जमा करवाई जावें।

अतः विद्यालयों के संस्था प्रधानों को निर्देशित किया जाता है कि विशेष गणवेश की राशि प्रति सम्भागी की दर से 10 x 500 = 5000 प्रति विद्यालय (प्रति पेट्रोल) जिला मुख्यालय पर ऑनलाइन पंजीकरण फार्म प्रिन्ट की प्रति के साथ तत्काल जमा करावें। जम्बूरी के संबंध में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर द्वारा समय–समय पर प्रसारित सूचनाओं/निर्देशों के अनुसार कार्यवाही करें।

विशेष नोट:– जम्बूरी में भाग लेने वाले स्काउट्स/गाइड्स की अर्द्धवार्षिक/स्थानीय प्रायोगिक टेस्ट परीक्षाएँ इत्यादि जम्बूरी के उपरान्त विद्यालय स्तर पर ली जावें।

(गौरव अग्रवाल) आई.ए.एस.
निदेशक, माध्यमिक शिक्षा,
राजस्थान बीकानेर

कार्यालय–निदेशक, मध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर

क्रमांक : शिविरा/माध्य/खेलकूद–1/35105/स्काउट एवं गाइड/जम्बूरी/2022/89 दिनांक : 16.08.2022

कार्यालय आदेश

भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में दिनांक 04 जनवरी से 10 जनवरी 2023 तक 18वीं राष्ट्रीय स्काउट/गाइड जम्बूरी, रोहट, पाली में आयोजित की जा रही है। इस जम्बूरी में भारत व पडौसी राष्ट्रों से लगभग 35 हजार स्काउट्स/गाइड्स भाग लेगें। इन स्काउट्स/गाइड्स में शारीरि बौद्धिक एवं अध्यात्मिक क्षमताओं का विकास करते हुए स्थानीय, राष्ट्रीय तथा अर्न्तराष्ट्रीय समुदाय के उत्तरदायी नागरिक के रूप में विकसित करने सम्बन्धी विभिन्न गतिविधियाँ/प्रतियोगिताएँ आयोजित की जावेगी। इन प्रतियोगिताओं में राजस्थान प्रदेश की सहभागिता, तैयारी एवं पर्यवेक्षण हेतु निम्नांकित अधिकारियों को प्रभारी बनाया जाता है :–

01– पंचायत स्तर पर – पी.ई.ई.ओ.
02– स्थानीय संघ (ब्लॉक) स्तर पर – सी.बी.ई.ओ.
03– जिला स्तर पर – सी.डी.ई.ओ
04– सम्भाग स्तर पर – संयुक्त निदेशक
05– राज्य स्तर पर – उपनिदेशक (खेलकूद)

जम्बूरी तैयारी के संबंध में अन्य आवश्यक निर्देश निम्नानुसार हैं:–

आवंटित कोटे के अनुसार अपने स्थानीय संघ (ब्लॉक) से जम्बूरी हेतु विद्यालयों का तत्काल पंजीकरण आवश्यक रूप से करवाएँ। जिले के ओर से स्थानीय संघ को आवंटित प्रतियोगिता के अनुसार विद्यालयों की माह अगस्त 2022 से प्रतिमाह विजिट कर तैयारी प्रारम्भ करवाएँ। जम्बूरी प्रतियोगिताओं की तैयारी का समय–समय पर पर्यवेक्षण कर पूर्ण तैयारी करवायें। स्थानीय संघ, जिला स्तर एवं संभाग स्तर पर यथा समय तैयारी शिविर माह अक्टूबर तक लगाया जाना सुनिश्चित करें। इन्हें पर्यवेक्षण अवधि का यात्रा एवं दैनिक भत्ता राजकोष से देय होगा।

(गौरव अग्रवाल) आई.ए.एस.,
निदेशक, माध्यमिक शिक्षा,
राजस्थान बीकानेर

कार्यालय–निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर

क्रमांकः शिविरा / माध्य / खेलकूद–1 / 35105 / स्काउट एवं गाइड / जम्बूरी / 2022 / 88 दिनांक : 16 / 08 / 22

आदेश

स्काउट व गाइड, राज्य सरकार द्वारा चयनित प्रमुख सहशैक्षिक गतिविधि है, जिसका उद्देश्य बालक / बालिकाओं का अनुशासन, स्वावलम्बन, निस्वार्थ सेवाभाव एवं देश प्रेम के प्रति निष्ठा की शिक्षा देकर उन्हें सुनागरिक बनाना है। प्रदेश के समस्त शिक्षण संस्थाओं में कब / बुलबुल, स्काउट / गाइड, रोवर / रेंजर ग्रुपों का सफलतापूर्वक संचालन किया जाना संस्था प्रधान का उत्तरदायित्व है।

अतः संस्था प्रधानों को आदेशित किया जाता है कि समुचित संचालन हेतु निम्नानुसार कार्यवाही आवश्यक रूप से करना सुनिश्चित करें।

1. प्रदेश के सभी राजकीय एवं निजी विद्यालयों, कस्तूरबा गांधी आवासी विद्यालय, जनजाति छात्रावास, महात्मा गांधी स्कूल, विवेकानन्द मॉडल स्कूल इत्यादि स्काउट गाइड में पंजीकरण किया जाना सुनिश्चित करें।
2. पंजीकरण के साथ ही अपने विद्यालय में उक्त ईकाईयों के संचालन हेतु प्रशिक्षित योग्य अध्यापक / अध्यापिका को यूनिट लीडर नियुक्त किया जावें। जो छात्रों के लिये अध्यापक एवं छात्राओं के लिए अध्यापिका अलग–अलग नियुक्त हों। विद्यालय के दायित्व चार्ट में इसका अंकन हों।
3. प्रशिक्षित अध्यापक एवं अध्यापिका के अभाव में विद्यालय से योग्य अध्यापक एवं अध्यापिका को राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड द्वारा आयोजित होने वाले शिविरों में प्रशिक्षण दिलावें। इस हेतु पंजीकृत विद्यालय में योग्य अध्यापक एवं अध्यापिका के नाम स्थानीय सचिव अथवा सर्कल आर्गेनाइजर स्काउट / गाइड को तुरन्त भिजवाया जाना सुनिश्चित करावे, जिससे आगामी होने वाले शिविरों में उनको प्रशिक्षित किया जा सकें। विद्यालय में अध्यापक / अध्यापिका का प्रशिक्षित कराने का दायित्व संस्था प्रधान का होगा।

(गौरव अग्रवाल) आई.ए.एस.,
निदेशक, माध्यमिक शिक्षा,
राजस्थान, बीकानेर

कार्यालय–निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर

क्रमांकः शिविरा / माध्य / खेलकूद–1 / 35105 / स्काउट एवं गाइड / जम्बूरी / 2022 / 90 दिनांक : 16.08.22

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी
समस्त राजस्थान।

विषय :– राजस्थान राज्य भारत स्कांउट गाइड की बकाया कोटामनी राशि जमा करवाने बाबत्

प्रसंग :– राज्य सरकार का पत्र क्रमांक–प.1(9)शिक्षा–1 / भा.स्का. गा. / 2007 / पार्ट दिनांक 21.07.2022 के क्रम में।

उपर्युक्त विषय के प्रासंगिक पत्र की निरन्तरता एवं राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड गतिविधियों की प्रगति–समीक्षा के क्रम के अतिरिक्त मुख्य सचिव महोदय (स्कूल शिक्षा) राजस्थान सरकार की अध्यक्षता में दिनांक 12.7.2022 को आयोजित मीटिंग में क्रियान्विति के बिन्दु विद्यालय में स्काउट गाइड गतिविधि के ग्रुप पंजीकरण, ग्रुप गठन एवं प्रभावी संचालन–की अनिवार्यता पर बल दिया गया है।

पंजीकृत भारत स्काउट / गाइड यूनिट का सम्बद्धता शुल्क (कोटामनी) जो कि स्थानीय संघ को प्रतिवर्ष देय होता है। जानकारी में आया है कि कुछ विद्यालयों द्वारा कई वर्षों से कोटामनी का भुगतान नहीं किया जा रहा है अथवा नियमित रूप से जमा नहीं करवाया जा रहा है, अतः पंजीकृत विद्यालयों द्वारा स्थानीय संघों को नियमित एवं समयबद्ध कोटामनी जमा करवाया जाना सुनिश्चित करावें।

विद्यालय कोष की बचत राशि में कोटामनी का भुगतान की प्रशासनिक स्वीकृति दी जाती है।

स्काउट / गाइड प्रवृति को सूचारु रूप से संचालित किये जाने के लिए आप विद्यालय का निरीक्षण के समय स्काउटिंग / गाइडिंग प्रवृति की जानकारी प्राप्त कर विजिट रिपोर्ट में सम्मिलित करें।

(गौरव अग्रवाल) आई.ए.एस.,
निदेशक, माध्यमिक शिक्षा,
राजस्थान बीकानेर

The Bharat Scouts and Guides

Creating Better India

National Headquarters

Address: Lakshmi Mazumdar Bhawan, 16, M. G. Marg, I. P. Estate, New Delhi-110002
Website :www.bsgindia.org Email Id: info@bsgindia.org Phones:+91-11-23378702,23378667

To
All the State Secretaries,
State Associations of
The Bharat Scouts and Guides,
INDIAN UNION

Circular No. : **157 /2022**
Date : 18th August, 2022

SUB : 18th NATIONAL JAMBOREE- SELECTION OF JAMBOREE STAFF

Dear Sir/Madam,

As all of you are aware that the 18th National Jamboree of the Bharat Scouts & Guides will be held RIICO (DMIC) Area, NH-62, Rohat, District: Pali, Rajasthan State from 04th to 10th January, 2023. Jamboree is a prestigious National event of the Bharat Scouts & Guides.

To organize programmes and activities during the period of Jamboree, we require the services of committed, experienced, creative minded, disciplined, smart & active Leaders (Male & Female) who are at least H.W.B. and above willing to render their services voluntarily.

Bharat Scouts & Guides, National Headquarters invite applications of the willing and interested adult leaders at least H.W.B. and above to render their valuable Services during the period of the 18th National Jamboree.

Free hospitality and Jamboree Kit will be provided. NHQ will recognize the services by awarding Appreciation/Commendation Certificate.

Eligibility Conditions:

- Should be at least HWB or above in any section
- Age between 21 to 55 years (Relaxation will be given on exceptional cases)
- Can speak and understand Hindi & English
- Should be physically fit and be able to withstand strain of field work
- Should not be a part of the State Contingent
- Should accept any responsibility bestowed for the success of the Jamboree
- The name should be duly recommended in the attached Proforma endorsed by the State Association
- NHQ reserves the right to accept/ reject the candidate. NHQ also has the right to admit any candidate at any time as Jamboree Staff if found most suitable for the work.
- No change of name will be accepted at the Jamboree Ground
- **In case of unsatisfactory services, indiscipline, unpunctuality is observed,** such staff will be relived from the Camp immediately.

Date of Reporting at Jamboree Site : 02.01.2023 before lunch. (1st Staff Meeting of the Jamboree Staff will be held in the Jamboree Ground at 03 .00 P.M. Sharp. Late Comers will not be admitted at any cost. No request will be accepted)

Date of Relieving : 11.01.2023 after Lunch. (Return reservation may be arranged accordingly. No request will be accepted for early departure or departure with the Contingent)

Last date of Receiving List of nominated Staff at NHQ : The list of nominated Staff as per Proforma from the State Association should reach National Headquarters is **on or before 15th Sept, 2022.** List of Staff received after the deadline will not be accepted.

Selection of Nominations : Only on receipt of final selection/confirmation from the National Headquarters, New Delhi, staff will proceed for the Jamboree.

We request you to please select the right and deserving Leaders and recommend their application for the success of the Jamboree.

Thanking you and with regards

Yours Sincerely,

(AMAR B. CHETTRI)
JT. DIRECTOR OF SCOUTS (PROG. & TRG.)
& JAMBOREE ORGANISER

जम्बूरी विशेष

जम्बूरी विभागवार कोर कमेटियाँ

18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी के आयोजन हेतु निम्नानुसार कोर कमेटियों का गठन किया गया है:–

01. वित्त समिति :–

1.	**श्री पी.के. गोयल**	**अतिरिक्त मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग**	**चैयरमैन**
2.	**श्री गौरव अग्रवाल**	**निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, बीकानेर**	**उपचैयरमेन**
3.	डॉ. एस.आर. जैन	स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर) जयपुर	सदस्य
4.	श्री ललित मोरोडिया	राज्य कोषाध्यक्ष, राज्य मुख्यालय, जयपुर	सदस्य
5.	डॉ. पी. सी. जैन	राज्य सचिव, राज्य मुख्यालय, जयपुर	सदस्य सचिव
6.	श्री बन्ना लाल	राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट)	सदस्य
7.	श्री पूरण सिंह शेखावत	सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्का.) जयपुर	सदस्य

02. क्रय (उपापन) समिति :–

1.	**श्री कुंजीलाल मीना**	**प्रमुख शासन सचिव, नगरीय विकास एवं आवासन विभाग**	**चैयरमेन**
2.	**श्री नवीन महाजन**	**स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर) जयपुर**	**उपचैयरमेन**
3.	श्रीमती हेमपुष्पा शर्मा	संयुक्त शासन सचिव, वित्त विभाग जयपुर	सदस्य
4.	श्री गजेन्द्र सिंह	ए.जी. ऑफिस जयपुर	सदस्य
5.	श्री कन्हैया लाल स्वामी	कमिश्नर, ट्रान्सपोर्ट विभाग जयपुर	सदस्य
6.	श्री शरद मेहरा	आई.जी. स्टॉम्प डयूटी जयपुर	सदस्य
7.	श्री ललित मोरोडिया	राज्य कोषाध्यक्ष, राज्य मुख्यालय, जयपुर	सदस्य सचिव
8.	श्री गणेश प्रसाद गुर्जर	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) जगतपुरा जयपुर	सदस्य
9.	श्री दिनेश विजय	चार्टेड अकाउन्टेन्ट, जयपुर	सदस्य
10.	श्री टीकम चन्द गुप्ता	लेखाधिकारी प्रथम, रा.मु. जयपुर	सदस्य
11.	श्री सन्दीप जोशी	कनिष्ठ लेखाकार, रा.मु. जयपुर	सदस्य

03. ले आउट एवं आवास (टैण्ट, शामियाना, छोलदारी इत्यादि) व्यवस्था समिति :–

1.	**श्री टीकम चन्द बोहरा**	**अति.महानिदेशक, एचसीएम रीपा, जयपुर**	**चैयरमैन**
2.	**श्रीमती तुलिका गुप्ता**	**निदेशक, इण्डियन इन्स्टीटयूट ऑफ क्राफ्ट एण्ड डिजाइन**	**उपचैयरमेन**
3.	डॉ. मधुरा यादव	आर्किटेक्ट प्लानर, मणिपाल यूनिवर्सिटी,जयपुर	सदस्य
4.	श्री विनोद दत्त जोशी	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) अजमेर	सदस्य सचिव
5.	सुश्री सुयश लोढ़ा	ए.एस.ओ.सी. (गा.) बीकानेर	सदस्य
6.	श्री महिपाल सिंह तंवर	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) चूरू	सदस्य
7.	श्री बंसत कुमार लाटा	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) सीकर	सदस्य
8.	श्रीमती सुभिता गिल	जिला संगठन आयुक्त (गा.) झुन्झुनूं	सदस्य
9.	श्री गोविन्द मीणा	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) पाली	सदस्य

04. विद्युत व्यवस्था समिति :–

1.	**श्री भास्कर ए. सांवत**	**प्रमुख शासन सचिव, ऊर्जा विभाग**	**चैयरमैन**
2.	श्री प्रमोद टाक	एम.डी. JDVVNL, जोधपुर	सदस्य
3.	श्री अशोक कुमार मीणा	अधीक्षक अभियन्ता, JDVVNL, पाली	सदस्य
4.	श्री बन्ना लाल	राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्का.) जयपुर	सदस्य
5.	श्री दिलीप माथुर	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) कोटा	सदस्य सचिव
6.	श्री मनमोहन स्वर्णकार	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) अजमेर	सदस्य
7.	श्री गणेश गुर्जर	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) जगतपुरा	सदस्य
8.	श्री महेश कालावत	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) झुन्झुनूं	सदस्य
9.	श्रीमती नीशू कंवर	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) जोधपुर	सदस्य

05. जलापूर्ति व्यवस्था समिति :–

1.	**श्री नवीन जैन**	**स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर)**	**चैयरमैन**
2.	**श्री कैलाश चन्द मीणा**	**सम्भागीय आयुक्त, जोधपुर**	**उपचैयरमैन**
3.	श्री नमित मेहता	जिला कलक्टर, पाली	सदस्य
4.	श्री आर.के. मीना	मुख्य अभियन्ता, पीएचईडी (ग्रामीण) जयपुर	सदस्य
5.	श्री मनीष माथुर	S.E. (PHED) पाली	सदस्य
6.	श्री जे.पी. शर्मा	S.E. जवाई पाइपलाइन प्रोजेक्ट पाली	सदस्य

7.	श्री मानमहेन्द्र सिंह भाटी	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) बीकानेर	सदस्य सचिव
8.	श्री छत्तर सिंह	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) जोधपुर	सदस्य
9.	श्री गणेश प्रसाद गुर्जर	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) जगतपुरा	सदस्य
10.	श्रीमती मीनाक्षी भाटी	जिला संगठन आयुक्त (गा.) नागौर	सदस्य
11.	श्री गोविन्द मीणा	जिला संगठन आयुक्त (गा.) पाली	सदस्य
12.	श्री विनोद धारू	जिला संगठन आयुक्त (गा.) भीलवाड़ा	सदस्य
13.	श्री दौलत सिंह	सचिव, एल.ए. रोहट पाली	सदस्य

06. मंच, एरिना, रोड़ व्यवस्था समिति (इन्फ्रास्ट्रक्चर समिति) :–

1.	**श्री नवीन महाजन**	**स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर)**	**चैयरमैन**
2.	श्री चिनहरी मीणा	सचिव, पी.डब्ल्यू.डी. जयपुर	सदस्य
3.	श्री मुकेश भाटी	मुख्य अभियन्ता, पीडब्ल्यूडी, जयपुर	सदस्य
4.	श्री लच्छा राम	S.E. (PWD) पाली	सदस्य
5.	श्री दिलीप परिहार	X.E.N. (PWD) पाली	सदस्य
6.	श्री सुशील गोयल	AEN SUB Division रोहट	सदस्य
7.	श्री महेन्द्र सिंह राठौड़	सयुंक्त सचिव, रा.मु. जयपुर	सदस्य
8.	श्री मानमहेन्द्र भाटी	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) बीकानेर	सदस्य सचिव
9.	श्री महिपाल सिंह तंवर	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) चूरू	सदस्य
10.	श्रीमती कल्पना शर्मा	जिला संगठन आयुक्त (गा.) अलवर	सदस्य
11.	श्रीमती नीशू कंवर	जिला संगठन आयुक्त (गा.) जोधपुर	सदस्य
12.	श्री विनोद धारू	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) भीलवाड़ा	सदस्य
13.	सुश्री माला शेखावत	ए.एल.टी. (गा.) जोधुपर	सदस्य

07. स्नानघर एवं सेनिटेशन व्यवस्था समिति :–

1.	**श्री महेन्द्र पारख**	**स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स) जयपुर**	**चैयरमैन**
2.	श्री ब्रजेश राय	आयुक्त, नगर परिषद् पाली	सदस्य
3.	श्रीमती रेखा भाटी	चैयरमेन, एम.सी. पाली	सदस्य
4.	श्री सुशील गोयल	AEN SUB Division रोहट	सदस्य
5.	श्री पूरण सिंह शेखावत	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) जयपुर	सदस्य
6.	श्री रामजस लिखाला	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) भरतपुर	सदस्य सचिव
7.	श्री एल.आर. शर्मा	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) रा.मु. जयपुर	सदस्य
8.	श्री एम.आर. वर्मा	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) जालौर	सदस्य
9.	श्री महेश कालावत	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) झुन्झुनू	सदस्य
10.	श्री गोविन्द मीणा	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) पाली	सदस्य
11.	श्रीमती विजयलक्ष्मी	जिला संगठन आयुक्त (गा.) उदयपुर	सदस्य
12.	श्रीमती ऋतु शर्मा	जिला संगठन आयुक्त (गा.) जयपुर	सदस्य
13.	श्रीमती किशोर देवी	एल.टी. (गा.) जोधपुर	सदस्य

08. भण्डार / स्टोक समिति :–

1.	**श्री कानाराम**	**आयुक्त, कृषि एवं पंचायत राज (कृषि) विभाग**	**चैयरमैन**
2.	श्री महेन्द्र सिंह राठौड़	संयुक्त राज्य सचिव, जयपुर	सदस्य
3.	श्रीमती नीता शर्मा	सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गा.) जयपुर	सदस्य सचिव
4.	श्री मनमोहन स्वर्णकार	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) अजमेर	सदस्य
5.	श्री भारत भूषण	जिला संगठन आयुक्त (स्का.), हनुमानगढ़	सदस्य
6.	श्री शरद शर्मा	जिला संगठन आयुक्त (स्का.), जयपुर	सदस्य
7.	श्रीमती ज्योतिरानी महात्मा	जिला संगठन आयुक्त (गा.), बीकानेर	सदस्य
8.	श्री धीरज शैली	लिपिक ग्रेड–II रा. मु. जयपुर	सदस्य
9.	श्री तेजमल	लिपिक कोटा	सदस्य
10.	श्री विनोद मेहरा	स्काउटर, पाली	सदस्य

09. बैंक, एटीएम, पोस्ट ऑफिस एवं अन्य सरकारी विभाग समन्वय समिति :–

1.	**श्री एस.आर. जैन**	**स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर) जयपुर**	**चैयरमैन**
2.	श्री किशन सिंह गहलोत	मुख्य प्रबंधक SBBJ/M.G.B. Bank	सदस्य
3.	श्री प्रकाश चन्द सिंघाड़िया	सी.डी.ई.ओ. पाली	सदस्य
4.	श्री बृजसुन्दर मीणा	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) बारां	सदस्य सचिव
5.	श्री धीरज शैली	लिपिक ग्रेड–II रा. मु. जयपुर	सदस्य

10. चिकित्सा व्यवस्था समिति :–

1.	**डॉ. पृथ्वी राज**	**शासन सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण**	**चैयरमैन**
2.	**डॉ. संजीव मिश्रा**	**निदेशक एम्स, जोधपुर**	**उपचैयरमैन**
3.	डॉ. जोगेश्वर प्रसाद	संयुक्त निदेशक स्वास्थ्य, जोधपुर	सदस्य
4.	डॉ. विकास मारवाल	मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, पाली	सदस्य सचिव
5.	सुश्री सुयश लोढ़ा	ए.एस.ओ.सी. (गा.) बीकानेर	सदस्य
6.	श्री नरेन्द्र खोरवाल	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) सिरोही	सदस्य
8.	श्री अनिल कुमार शर्मा	ए.एल.टी. (स्का.) जोधपुर	सदस्य
8.	श्रीमती शशि शर्मा	ए.एल.टी. (गा.) जोधपुर	सदस्य

11. स्काउट शॉप जम्बूरी किट व्यवस्था समिति :–

1.	**श्री निर्मल पंवार**	**स्टेट कमिश्नर (रोवर) जयपुर**	**चैयरमैन**
2.	श्री केशवदेव अग्रवाल	पूर्व उप प्रधान, जयपुर	सदस्य
3.	श्री बाबू सिंह राजपुरोहित	ए.एस.ओ.सी. जोधपुर	सदस्य
4.	श्री दीपेश शर्मा	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) बांसवाड़ा	सदस्य
5.	श्रीमती कैलाश शर्मा	पूर्व सी.ओ. (गा.) पाली	सदस्य
6.	श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह	कनिष्ठ लेखाकार म.मु. जयपुर	सदस्य
7.	श्री गौरव अजमेरा	लिपिक –ाा, रा. मु. जयपुर	सदस्य सचिव

12. गैस, ईधन, डेयरी प्रोडेक्ट आपूर्ति एवं खाद्य सामग्री आपूर्ति एवं मार्केट व्यवस्था समिति :–

1.	**श्री आशुतोष ए.टी. पेडनेकर**	**शासन सचिव, खाद्य एवं नगरिक आपूर्ति विभाग**	**चैयरमैन**
2.	**श्रीमती सुमित्रा पारीक**	**जिला रसद अधिकारी, पाली**	**उपचैयरमैन**
3.	श्री मुरारी लाल	निरीक्षक, जिला रसद कार्यालय, पाली	सदस्य
4.	श्री अरूण बारहट	जी.एम., सहकारी उपभोक्ता भण्डार जोधपुर	सदस्य
5.	श्री जितेन्द्र सिंह आसिया	प्रबंधक, राज. खाद्य आपूर्ति निगम लि. पाली	सदस्य
6.	श्री पूरण सिंह	उप निदेशक, मार्केटिंग बोर्ड जोधपुर	सदस्य
7.	श्री अगरा राम	पूर्व जिला खेल अधिकारी, पाली	सदस्य
8.	श्री राजेन्द्र सिंह राठौड़	एम.डी., डेयरी, पाली	सदस्य
9.	श्री बाबू सिंह राजपूरोहित	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) जोधपुर	सदस्य सचिव
10.	श्री राजेन्द्र प्रसाद मीणा	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) भरतपुर	सदस्य
11.	श्री सुरेन्द्र पाण्डे	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) उदयपुर	सदस्य
12.	श्री चन्द्रशंकर श्रीवास्तव	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) चितौड़गढ़	सदस्य
13.	श्री नेमाराम प्रजापत	ए.एल.टी. (स्का.) पाली	सदस्य

13. राजस्थान स्टेट स्तरीय प्रतियोगिता तैयारी समिति :–

1.	**श्री पूरण सिंह शेखावत**	**राज्य संगठन आयुक्त (स्का.), जयपुर (का.)**	**चैयरमैन**
2.	श्री बन्ना लाल	राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्का.) जयपुर	सदस्य
3.	श्री पूरण सिंह शेखावत	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) जयपुर	सदस्य
4.	श्री विनोद दत्त जोशी	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) अजमेर	सदस्य सचिव
5.	श्री मानमहेन्द्र सिंह भाटी	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) बीकानेर	सदस्य
6.	श्री बाबू सिंह राजपुरोहित	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) जोधपुर	सदस्य
7.	श्री दामोदर प्रसाद शर्मा	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) उदयपुर	सदस्य
8.	श्री दिलीप माथुर	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) कोटा	सदस्य
9.	श्री रामजस लिखाला	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) भरतपुर	सदस्य
10.	सुश्री सुयश लोढ़ा	ए.एस.ओ.सी. (गा.) बीकानेर	सदस्य
11.	श्रीमती नीता शर्मा	ए.एस.ओ.सी. (गा.) जयपुर	सदस्य
12.	श्री एल.आर. शर्मा	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) जयपुर	सदस्य
13.	श्रीमती कृष्णा सैनी	जिला संगठन आयुक्त (गा.) जयपुर	सदस्य

14. सांस्कृतिक कार्यक्रम व्यवस्था समिति :–

1.	**श्रीमती मुग्धा सिन्हा**	**स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स–गाइड)**	**चैयरमैन**
2.	**श्रीमती शुचि त्यागी**	**स्टेट कमिश्नर (रेंजर) जयपुर**	**उपचैयरमैन**
3.	श्रीमती अनुराधा गोगिया	अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र, जयपुर	सदस्य
4.	डॉ. पुनिता सिंह	संयुक्त निदेशक, पर्यटन विभाग, जयपुर	सदस्य
5.	श्री राजेश चेटवाल	निर्माता व निदेशक, रोहम्बस फिल्मस	सदस्य

6.	श्री भानु भारती	गायक–संगीतकार, पाली	सदस्य
7.	डॉ. सुषमा सिंघवी	सहायक स्टेट कमिश्नर, जयपुर	सदस्य
8.	श्री विनोद दत्त जोशी	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) अजमेर	सदस्य
9.	सुश्री सुयश लोढ़ा	ए.एस.ओ.सी.(गा.) बीकानेर	सदस्य सचिव
10.	श्रीमती नीता शर्मा	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) जयपुर	सदस्य
11.	श्रीमती ऋतु शर्मा	जिला संगठन आयुक्त (गा.) जयपुर	सदस्य
12.	श्री बगद सिंह राजपुरोहित	ए.एल.टी. (स्का.) पाली	सदस्य

15. प्रदर्शनी, सूचना और प्रौद्योगिकी व्यवस्था समिति :–

1.	**श्रीमती मुग्धा सिन्हा**	**स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स गाइड)**	**चैयरमैन**
2.	**श्री पुरूषोत्तम शर्मा**	**निदेशक, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान, जयपुर**	**उपचैयरमैन**
3.	श्री पूरण सिंह शेखावत	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) जयपुर	सदस्य सचिव
4.	श्री बसन्त लाटा	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) सीकर	सदस्य
5.	श्रीमती कल्पना शर्मा	जिला संगठन आयुक्त (गा.) अलवर	सदस्य
6.	श्री दीपेश शर्मा	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) बांसवाड़ा	सदस्य
7.	श्री जसवन्त सिंह राजपुरोहित	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) बीकानेर	सदस्य
8.	श्रीमती अर्चना पास्सी	सहायक प्रोग्रामर, रा.मु. जयपुर	सदस्य

16. प्रिन्टिग कार्य, फ्लेग्स, प्रचार प्रसार, जम्बूरी स्मारिका एवं दैनिक बुलेटिन प्रकाशन, मीडिया व्यवस्था समिति :–

1.	**श्रीमती मुग्धा सिन्हा**	**स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स) जयपुर**	**चैयरमैन**
2.	श्री विमल चौहान	सहायक स्टेट कमिश्नर जयपुर	सदस्य
3.	डॉ. सुषमा सिंघवी	सहायक स्टेट कमिश्नर	सदस्य
4.	श्री पूरण सिंह शेखावत	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) उदयपुर	सदस्य
5.	श्री रामजस लिखाला	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) भरतपुर	सदस्य सचिव
6.	श्री दीपेश शर्मा	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) बांसवाड़ा	सदस्य
7.	श्री जसवन्त सिंह राजपुरोहित	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) बीकानेर	सदस्य
8.	श्री नरेन्द्र खोरवाल	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) सिरोही	सदस्य
9.	श्रीमती दिव्या	जिला संगठन आयुक्त (गा.) सवाई माधोपुर	सदस्य
10.	श्री नीरज जैन	सहा. सम्पादक रा.मु. जयपुर	सदस्य

17. साज–सज्जा (जम्बूरी गेट, गमले, फ्लोवर डेकोरेशन, कलर फ्लैग्स इत्यादि) व्यवस्था समिति :–

1.	**श्रीमती मुग्धा सिन्हा**	**स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स गाइड)**	**चैयरमैन**
2.	**श्रीमती तुलिका गुप्ता**	**निदेशक, इण्डियन इन्स्टीटयूट ऑफ क्राफ्ट एण्ड डिजाइन**	**उपचैयरमेन**
3.	श्रीमती शकुन्तला वैष्णव	सहायक स्टेट कमिश्नर (गा.) जयपुर	सदस्य
4.	सुश्री सुयश लोढ़ा	ए.एस.ओ.सी. (गा.) बीकानेर	सदस्य
5.	श्री बसन्त कुमार लाटा	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) सीकर	सदस्य
6.	श्रीमती इन्दु तंवर	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) दौसा	सदस्य
7.	श्रीमती डिम्पल दवे	जिला संगठन आयुक्त (गा.) पाली	सदस्य
8.	श्रीमती नीशू कंवर	जिला संगठन आयुक्त (गा.) जोधपुर	सदस्य
9.	श्री जसवन्त सिंह राजपुरोहित	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) बीकानेर	सदस्य सचिव

18. पंजीकरण व्यवस्था एवं बेवसाइट समिति :–

1.	**श्रीमती शुचि त्यागी**	**स्टेट कमिश्नर (रेंजर)**	**चैयरमैन**
2.	श्री बन्ना लाल	राज्य प्रशिक्षण आयुक्त, जयपुर	सदस्य
3.	श्री बाबूसिंह राजपुरोहित	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) जोधपुर	सदस्य सचिव
4.	श्री योगेन्द्र सिंह	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) जि. मु. बाडमेर	सदस्य
5.	सुश्री गगन दीप कौर	जिला संगठन आयुक्त (गा.) रा.मु जयपुर	सदस्य
6.	श्रीमती मोनिका	जिला संगठन आयुक्त (गा.) श्रीगंगानगर	सदस्य
7.	श्रीमती अर्चना पास्सी	सहायक प्रोग्रामर, रा.मु. जयपुर	सदस्य
8.	श्रीमती शकुन्तला पाण्डे	ए.एल.टी. (गा.) जोधपुर	सदस्य

19. पुरस्कार–प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह, कमिश्नर फ्लैग, एडवेंचर बैज व्यवस्था समिति :–

1.	**श्रीमती मुग्धा सिन्हा**	**स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स गाइड)**	**चैयरमैन**
2.	श्री मनीष शर्मा	स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति, समन्वय)	उपचैयरमैन
3.	श्रीमती शकुन्तला वैष्णव	सहायक स्टेट कमिश्नर (गा.) जयपुर	सदस्य

4.	श्री पूरण सिंह शेखावत	सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्का.) जयपुर	सदस्य सचिव
5.	श्री एल.आर. शर्मा	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) रा.मु. जयपुर	सदस्य
6.	श्रीमती कल्पना शर्मा	जिला संगठन आयुक्त (गा.) अलवर	सदस्य
7.	सुश्री गगन दीप कौर	जिला संगठन आयुक्त (गा.) रा.मु. जयपुर	सदस्य
8.	श्री जसवन्त सिंह राजपुरोहित	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) बीकानेर	सदस्य
9.	श्री नीरज जैन	सहायक सम्पादक, रा.मु. जयपुर	सदस्य

20. भोजन एवं जलपान व्यवस्था समिति :–

1.	**श्री लक्ष्मी नारायण बुनकर**	**डी.एस.ओ. पाली**	**चैयरमैन**
2.	श्रीमती कृष्णा कुमारी	निरीक्षक, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति पाली	सदस्य
3.	श्री दिलीप माथुर	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) कोटा	सदस्य सचिव
4.	श्री मनमोहन स्वर्णकार	जिला संगठन आयुक्त (गा.) अजमेर	सदस्य
5.	श्री रामकिशन शर्मा	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) झालावाड़	सदस्य
6.	श्री भारत भूषण	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) हनुमानगढ़	सदस्य
7.	श्रीमती नीशू कंवर	जिला संगठन आयुक्त (गा.) जोधपुर	सदस्य
8.	श्रीमती प्रीति	जिला संगठन आयुक्त (गा.) कोटा	सदस्य
9.	श्री चन्द्रशंकर श्रीवास्तव	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) चित्तौडगढ़	सदस्य

21. यातायात एवं स्थानीय भ्रमण व्यवस्था समिति :–

1.	**श्रीमती प्रवीणा चारण**	**आर.टी.ओ, पाली**	**चैयरमैन**
2.	श्री रामनिवास बड़गुजर	प्रादेशिक परिवहन अधिकारी, जोधपुर	सदस्य
3.	श्री दिनेश मीणा	जिला परिवहन अधिकारी, जोधपुर	सदस्य
4.	श्री बी.आर. बेड़ा	मुख्य प्रबंधक, रोडवेज जोधपुर	सदस्य
5.	श्रीमती स्वाति मेहता	मुख्य प्रबंधक, रोडवेज पाली	सदस्य
6.	श्री बाबू सिंह राजपुरोहित	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) जोधपुर	सदस्य सचिव
7.	श्री छतर सिंह	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) जोधपुर	सदस्य
8.	श्री योगेन्द्र सिंह राठौड़	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) बाड़मेर	सदस्य
9.	श्रीमती नीशू कंवर	जिला संगठन आयुक्त (गा.) जोधपुर	सदस्य
10.	श्री शंकर सिंह दहिया	एल.टी. (स्का.) पाली	सदस्य
11.	श्री नेमा राम प्रजापत	ए.एल.टी. (स्का.) पाली	सदस्य

22. सुरक्षा व्यवस्था समिति :–

1.	**श्री नमित मेहता**	**जिला कलेक्टर, पाली**	**चैयरमैन**
2.	श्री राजन दुष्यंन्त	पुलिस अधीक्षक, पाली	सदस्य
3.	श्री महेन्द्र सिंह राठौड़	सयुंक्त राज्य सचिव	सदस्य
4.	श्री बाबू सिंह राजपुरोहित	ए.एस.ओ.सी. (स्काउट) जोधपुर	सदस्य सचिव
5.	श्री रामकिशन शर्मा	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) झालावाड़	सदस्य
6.	श्री सुरेन्द्र पाण्डे	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) सिरोही	सदस्य
7.	श्रीमती विजयलक्ष्मी	जिला संगठन आयुक्त (गा.) उदयपुर	सदस्य

23. फोटोग्राफी, विडियोग्राफी एवं माइक ध्वनि प्रसार एवं सोशल मीडिया समिति :–

1.	**डॉ. अखिल शुक्ला**	**स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर)**	**चैयरमैन**
2.	श्रीमती नीता शर्मा	ए.एस.ओ.सी.(गा.) जयपुर	सदस्य सचिव
3.	श्री प्रमोद कुमार शर्मा	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) अलवर	सदस्य
4.	श्रीमती ओम कुमारी	जिला संगठन आयुक्त (गा.) अजमेर	सदस्य
5.	श्री अनिल गुप्ता	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) करौली	सदस्य
6.	श्री दीपेश शर्मा	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) बांसवाड़ा	सदस्य
7.	श्री नीरज जैन	सहा. सम्पादक, रा.मु. जयपुर	सदस्य

24. एडवेंचर एवं फन बेस व्यवस्था समिति :–

1.	**डॉ. अखिल शुक्ला**	**स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर)**	**चैयरमैन**
2.	श्री रामप्रकाश	सी.ई.ओ. जिला परिषद, पाली	सदस्य
3.	श्री मानमहेन्द्र भाटी	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) बीकानेर	सदस्य सचिव
5.	श्री गौरव शर्मा	पर्वतारोही, जयपुर	सलाहाकर
6.	श्री जितेन्द्र भाटी	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) डूंगरपूर	सदस्य
7.	श्री महिपाल सिंह तंवर	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) चूरू	सदस्य
8.	श्री महेश कालावत	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) झुन्झुनूं	सदस्य

9.	श्री नरेन्द्र खोरवाल	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) सिरोही	सदस्य
10.	श्री डूंगरराम जाखड़	एल.टी. (स्का.) बाड़मेर	सदस्य
11.	श्री शैलेष पलोड़	एल.टी. (स्का.), नागौर	सदस्य
12.	श्री रघुवीर सिंह खंगारोत	एल.टी. (स्का.) अजमेर	सदस्य
13.	श्री विजेन्द्र सैनी	हिमालय वुड बैज (स्का.), कोटपुतली	सदस्य

25. कार्यालय एवं स्टेशनरी व्यवस्था समिति :—

1.	**डॉ. पी.सी. जैन**	**राज्य सचिव, जयपुर**	**चैयरमैन**
2.	श्री महेन्द्र सिंह राठौड़	सयुंक्त राज्य सचिव	सदस्य
3.	श्री पूरणसिंह शेखावत	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) जयपुर	सदस्य सचिव
4.	श्री एल.आर. शर्मा	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) जयपुर	सदस्य
5.	सुश्री गगन दीप कौर	जिला संगठन आयुक्त (गा.) जयपुर	सदस्य
6.	श्री धीरज शैली	लिपिक ग्रेड—II रा. मु. जयपुर	सदस्य

26. आमंत्रण, अतिथि सत्कार एवं स्वागत व्यवस्था समिति :—

1.	**श्रीमती मुग्धा सिन्हा**	**स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स) जयपुर**	**चैयरमैन**
2.	श्री महेन्द्र पारख	स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स) जयपुर	सदस्य
3.	श्री निर्मल पंवार	स्टेट कमिश्नर (रोवर) जयपुर	सदस्य
4.	श्री हिमांशु गुप्ता	संभागीय आयुक्त, जोधपुर (अति. चार्ज)	सदस्य
5.	श्री हिमांशु गुप्ता	जिला कलक्टर, जोधपुर	सदस्य
6.	श्री नमित मेहता	जिला कलक्टर, पाली	सदस्य
7.	श्रीमती शकुन्तला वैष्णव	सहायक स्टेट कमिश्नर (गा.) जयपुर	सदस्य
8.	डॉ. पी.सी.जैन	राज्य सचिव, रा.मु जयपुर	सदस्य सचिव
9.	श्री महेन्द्र सिंह राठौड़	संयुक्त राज्य सचिव, रा.मु जयपुर	सदस्य
10.	श्री गोपाराम माली	पूर्व राज्य संगठन आयुक्त (स्का.) जयपुर	सदस्य
11.	श्री बन्ना लाल	राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्का.) जयपुर	सदस्य
13.	श्री पूरण सिंह शेखावत	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) जयपुर	सदस्य
14.	श्री बाबू सिंह राजपुरोहित	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) जोधपुर	सदस्य
15.	श्री एल.आर. शर्मा	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) रा.मु. जयपुर	सदस्य
16.	श्रीमती डिम्पल दवे	जिला संगठन आयुक्त (गा.) पाली	सदस्य
17.	सुश्री गगन दीप कौर	जिला संगठन आयुक्त (गा.) रा.मु. जयपुर	सदस्य
18.	श्रीमती नीशू कंवर	जिला संगठन आयुक्त (गा.) जोधपुर	सदस्य

27. अन्तर्राष्ट्रीय अतिथि दल व्यवस्था समिति :—

1.	**श्री जोगाराम**	**सचिव, स्वायत्त शासन विभाग, जयपुर**	**चैयरमेन**
2.	**डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी**	**जिला कलेक्टर, अलवर**	**उपचैयरमेन**
3.	श्री निर्मल पंवार	स्टेट कमिश्नर (रोवर)	सदस्य
4.	डॉ. पी.सी. जैन	राज्य सचिव, रा.मु. जयपुर	सदस्य
5.	श्री दिलीप माथुर	ए.एस.ओ.सी. (स्का.) कोटा	सदस्य सचिव
6.	मो. अशफाक	जिला संगठन आयुक्त (स्का.) नागौर	सदस्य
7.	श्रीमती नीशू कंवर	जिला संगठन आयुक्त (गा.) जोधपुर	सदस्य
8.	श्रीमती ऋतु शर्मा	जिला संगठन आयुक्त (गा.) जयपुर	सदस्य
9.	डॉ. भरत देवड़ा	रोवर लीडर, जय नारायण यूनिवर्सिटी जोधपुर	सदस्य
10.	डॉ. ललित पंवार	रोवर लीडर, जय नारायण यूनिवर्सिटी जोधपुर	सदस्य
11.	श्रीमती शशि शर्मा	एल.टी. (गा.) जोधपुर	सदस्य

28. पूछताछ समिति एवं खोया—पाया समिति :—

1.	**श्रीमती शकुन्तला वैष्णव**	**सहायक स्टेट कमिश्नर (गा.) जयपुर**	**चैयरमेन**
2.	श्रीमती नूतन बाला कपिला	सहायक स्टेट कमिश्नर (गा.) जयपुर	सदस्य
3.	श्री शंकर सिंह दहिया	एल.टी. (स्का.) पाली	सदस्य
4.	श्री शंकर लाल नामा	रोवर लीडर, जय नारायण यूनिवर्सिटी जोधपुर	सदस्य सचिव
5.	डॉ. भरत देवड़ा	रोवर लीडर, जय नारायण यूनिवर्सिटी जोधपुर	सदस्य
6.	डॉ. ललित पंवार	रोवर लीडर, जय नारायण यूनिवर्सिटी जोधपुर	सदस्य
7.	श्रीमती शशि शर्मा	एल.टी. (गा.) जोधपुर	सदस्य
8.	श्री हरीश चुड़ावत	रोवर लीडर, रा.मा.वि. खरोकड़ा, पाली	सदस्य

हमारा स्वास्थ्य

क्यों जरूरी है हँसना?

◆ डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव
संकलनकर्ता

हँसना मनुष्य का प्राकृतिक स्वभाव है। जब हम छोटे थे तो पूरा दिन ही हंसी–मजाक में गुजर जाता था...फिर हम बड़े होने लगे...हमे higher studies करनी थी...अच्छी नौकरी पानी थी....life में खुद को सेट करना था...अब हम खुद को seriously लेने लगे और इसी चक्कर में हमने अपने चेहरे की मुस्कान कहीं न कहीं खो दी। और अब तो लोग जितना हँसते हैं उससे कहीं अधिक Whatsapp और Facebook पे smiles बनाते हैं!

आज इस लेख के माध्यम से आप एक बार फिर से हंसने की importance को समझें, आप जाने कि क्यों जरूरी है हँसना?

यदि आप अपने व्यक्तित्व के निर्माण में लगे हैं तो आपको आवश्यकता है – हंसी की, चेहरे पर मुस्कान बनाये रखने का अभ्यास करने की और विनोदप्रिय बनने की: जिससे आप उदासी, तनाव, अवसाद, चिंता, ईर्ष्या, क्रोध आदि पर काबू पा सकें और अपने व्यक्तित्व एवं जीवन में चमत्कारी परिवर्तन ला सकें।

अब तो मल्टीनेशनल कम्पनियां भी दफ्तर में light atmosphere कायम करने के लिए ऐसे व्यक्तियों की नियुक्ति करने में बहुत गम्भीर होती जा रही हैं जो work place में humour को promote कर सकते। इस काम के लिए कंपनियों ने "Humour Consultant" के पद सृजित किये हैं क्योंकि उनका मानना है कि ऐसे माहौल में व्यक्ति दोगुनी गति से कार्य करता है। उसकी कार्य क्षमता को प्रोत्साहन मिलता है। Boss से बेहतर संवाद कायम कर सकता है। व्यक्ति चुस्त एवं फुर्तीला रहता है, आदि।

मुस्कुराहट एक ऐसी वस्तु है जिसे हम सबको दे सकते है। यदि आपने प्रसन्नचित रहने का स्वभाव बना लिया है, हंसने–मुस्कुराने को जीवन का अंग बना लिया है तो निश्चित ही आप आगे बढ़ते रहेंगे। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आप जहाँ कहीं होंगे, वहीं अपनी मुस्कान से लोगों को अपनी ओर खीच लेंगे। आप लोगों से जुड़ेंगे और लोग आपसे।

महात्मा गांधी, चर्चिल, अब्राहम लिंकन, बनार्ड शा, सुकरात आदि कुछ नाम ऐसे है जिन्होंने मुस्कुराहट और

व्यक्तित्व निर्माण के क्षेत्र में महान हस्ती स्वेट मार्डन ने लिखा है– ''मुस्कुराहट पर खर्च कुछ नहीं आता है पर यह पैदा बहुत करती है इसे पाने वाले मालामाल हो जाते है परन्तु देने वाले भी दरिद्र नहीं रहते हैं। एक क्षण की मुस्कान कभी कभी स्मृति बन जाती है जो बहुत काम आती है। तब भी यह मोल नहीं ली जा सकती है, माँगी नही जा सकती है, उधार नहीं दी जा सकती है क्योंकि जब तक यह दी ना जाए तब तक संसार में यह किसी के कुछ काम की नहीं है।

विनोदप्रियता को अपनाकर स्वयं को चिंतामुक्त रखा था।

यहाँ तक कहा जाता है कि सुकरात ने जब जहर का प्याला पिया तो वो मुस्कुरा रहे थे।

व्यक्तित्व निर्माण के क्षेत्र में महान हस्ती स्वेट मार्डन ने लिखा है–

''मुस्कुराहट पर खर्च कुछ नही आता है पर यह पैदा बहुत करती है इसे पाने वाले मालामाल हो जाते है परन्तु देने वाले भी दरिद्र नहीं रहते हैं। एक क्षण की मुस्कान कभी कभी स्मृति बन जाती है जो बहुत काम आती है। तब भी यह मोल नहीं ली जा सकती है, माँगी नही जा सकती है, उधार नहीं दी जा सकती है क्योंकि जब तक यह दी ना जाए तब तक संसार में यह किसी के कुछ काम की नही है।''

मुस्कुराहट के बारे में ये शब्द मील के पत्थर है जिन पर मनन करके आप अपने व्यक्तित्व में पर्याप्त निखार ला सकते है।

मुस्कराहट पर कार्लाइल ने कहा है– "हमें ऐसा व्यक्ति बनना है जो गाता चहकता अपने कार्य में जुटा रहता है, जो थोड़े ही समय में अपना काम कर लेता है, इसी से हमारा जीवन सफल होता है"।

लार्ड बायरन ने भी कहा है "जब मौका मिले, हमेशा हंसे क्योंकि इससे सस्ती दवा कोई नहीं है" सचमुच, laughter is the best medicine

मुस्कान के गुण–

शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक रूप से हंसी और मुस्कान के अनेक गुण हैं, जैसे–

- हंसी से आँखों में चमक पैदा होती है।
- अवसाद या depression से मुक्ति मिलती है दुःख के क्षण उड़ जाते है।
- स्वास्थ्य का संतुलन, जो अनिद्रा या किसी बुरी सूचना के कारण नष्ट हो गया है, हंसने से पूर्णतः प्राप्त हो जाता है।
- मुस्कुराहट से आत्मविश्वास में वृद्धि होती है और परस्पर मेल–जोल बढ़ता है।
- किसी कार्य को दोहराने की शक्ति मिलती है।
- समस्याओं पर काबू पाने में मदद मिलती है।
- आत्मशक्ति को बल मिलता है।
- हीन भावना दूर होती है और हमारा चेहरा तुलनात्मक रूप से अधिक सुंदर नजर आता है।

ध्यान रखने योग्य बातें–

- हंसी मर्यादित होनी चाहिए ताकि आपकी हंसी से दूसरे के उपहास की झलक ना नजर आये।
- बनावटी हंसी से आपके दिमाग का खालीपन दिखाई देगा।
- बिना मौके और बिना सोचे समझे ना हंसे।
- जो स्वयं को एक इमेज से बांधे हुए, उनकी हंसी लादी हुयी प्रतीत होती है जो सिर्फ होंठो के किनारों तक सीमित रह जाती है। ऐसे व्यक्तियों में Sense of Humour का गुण समाप्त हो जाता है।
- यदि आप दूसरों से मजाक करके हंसते है तो स्वयं भी यह गुण उत्पन्न करें कि दूसरों के मजाक को भी सहन कर सके।
- दुर्बल व्यक्तियों, विकलांगो या किसी बीमारी की स्थिति पर हंसना स्वयं को अपनी नजर से नीचे गिराना है।

शेक्सपियर ने कहा है–

''तुम्हें क्या करना चाहिए? तुम्हे जो कुछ भी करना चाहिए, उसे अपनी मुस्कुराहट से प्राप्त करो ना कि तलवार के जोर से।''

मुस्कुराने वाला व्यक्ति स्वयं तो खुश रहता है दूसरों को भी खुश करता है। मुस्कान वाला चेहरा कोई भी काम आसानी से करा लेता है। नेपोलियन का जो काम उसके एक दर्जन नौकर नहीं कर पाते थे वो काम उसकी पत्नी जोजेफाइन अपनी मुस्कुराहट से करा देती थी।

कहाँ गयी आपकी मुस्कान ?

आप दिन भर में कितनी बार मुस्काराते हैं और कितनी बार खिलखिला कर हँसते हैं? क्या पहले की अपेक्षा आपकी मुस्कराहट गायब सी होती जा रही है? क्या वो दोस्तों के साथ ठहाके लगाना बीती बात बन चुकी है? यदि, "हाँ" तो आप अपनी लाइफ को गलत तरीके से जी रहे हैं!

एक तरफ आप अपनी लाइफ को बेहतर बनने की जद्दोजहद में दिन–रात मेहनत कर रहे हैं और दूसरी तरफ यही मेहनत आपकी हंसी ही उड़ाये जा रही है! अपनी लाइफ में balance लाइए। जीवन में आगे बढ़ना बहुत जरूरी है, पर मुस्कराहट के साथ...मुस्कराहट के बिना नहीं!

इसलिए अगर आप उन लोगों में से हैं जिनका smile balance zero हो चुका है या इसके करीब है तो सब कुछ छोड़ कर एक बार शांति से बैठिये और अपनी लाइफ के भीतर झांकिए, समझने की कोशिश करिए कि आप जो कुछ भी कर रहे हैं अगर वो आपकी मुस्कान आपसे छीन रहा है तो कहीं न कहीं चीजों को बदलने की जरूरत है...चलिए चीजों को बदल डालिए....चलिए, एक बार फिर उसी मुस्कान को....उसी खिखिलाहट को वापस बुलाइए और इस जिन्दगी को सचमुच हसीन बनाइये!

गतिविधि पञ्चांग

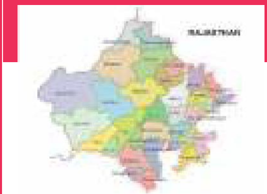

राज्य स्तरीय पञ्चांग

प्रस्तावित

गतिविधि का नाम	स्थान	दिनांक
शिक्षक दिवस	ग्रुप/स्थानीय संघ स्तर पर	05 सितम्बर, 2022
ऑर्गेनाइजर्स संगोष्ठी	रोहट–पाली	12–13 सितम्बर, 2022
राज्य परिषद बैठक	रोहट–पाली	14 सितम्बर, 2022
राज्य पुरस्कार रोवर/रेंजर प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर	30 सितम्बर, 2022 तक
कब–बुलबुल एक रात्रि शिविर	स्थानीय संघ स्तर	30 सितम्बर, 2022 तक
स्काउटर/गाइडर बेसिक कोर्स	जिला/मण्डल स्तर	सितम्बर, 2022
स्काउटर/गाइडर एडवांस कोर्स	मण्डल स्तर	सितम्बर, 2022
कब/बुलबुल उत्सव	जिला स्तर	02–03 अक्टूबर, 2022
प्रकृति अध्ययन शिविर	ग्रुप स्तर	04–06 अक्टूबर, 2022

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
National Level Yoga Training Course	07 - 21 September, 2022	Haridwar, Uttarakhand
National Level Adult Leader Trekking	01 - 05 November, 2022	Katra, Jammu & Kashmir
Azadi ka Amrit Mahotsav - National Level Group Dance Competition	Pre.Round on 03.09.2022	Virtual
18th National Jamboree	04 - 10 January, 2023	Pali-Marwar (Rajasthan)

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
13th Sri Lanka National Cubboree	15 - 18 September, 2022	Colombo, Sri Lanka
8th Friends of Asia Pacific WAGGGS Regional Gathering	07 - 09 November, 2022	Bangkok, Thailand
1st SAANSO Training Course for ALT	01 - 16 November, 2022	Sri Lanka
GYM AP Regional Youth Summit - SANGAM	07 - 11 November, 2022	Sangam, Pune
Juliette Low Seminar (JLS) 2022	02 - 11 December, 2022	Virtual
32nd Asia-Pacific Regional Scout Jamboree	11 - 19 December, 2022	Bangladesh
25th World Scout Jamboree	01 - 12 August, 2023	Saemangeum, Korea

National Headquarters website : www.bsgindia.org

रोवर लीडर राकेश टांक के नेतृत्व में कुंचौली, कुम्भलगढ़ के रोवर्स प्रकृति के संग आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए

जयपुर में स्टेच्यू सर्किल से भारत छोड़ो आंदोलन के उपलक्ष्य में 1200 स्काउट गाइड रोवर रेंजर हाथों में तिरंगा लेकर रैली निकालते हुए

मौलाना आजाद विश्वविद्यालय, जोधपुर की रेंजर लीडर डॉ. मरजीना के नेतृत्व में आजादी का अमृत महोत्सव-हर घर तिरंगा में शिरकत करती हुई रेंजर्स

सीकर में श्री कल्याण राजकीय उ.मा.विद्यालय की रेंजर्स आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अहिंसा मार्च रैली निकालती हुई।

हाथों में तिरंगा लेकर आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए उदयपुर के स्काउट्स व गाइड्स

तिरंगा जन जागरण रैली निकालती हुई जालोर की रेंजर लीडर्स

राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य के साथ 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी की कार्य-योजना पर विचार-विमर्श करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी श्री कुँजीलाल मीना, श्री भास्कर ए.सावंत श्री नवीन महाजन, श्री महेन्द्र कुमार पारख एवं अन्य पदाधिकारीगण।

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे-97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302004 फोन : 0141-2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति ₹ पन्द्रह
प्रकाशन – प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/1835
प्रेषक :-
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015
फोन : 0141-2706830, 2941098
ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com

Follow us on facebook.com/scoutguidejyoti